MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ संयुक्तांक -31-32 ❖ मुंबई ❖ रविवार 31 जुलाई से 06 अगस्त 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

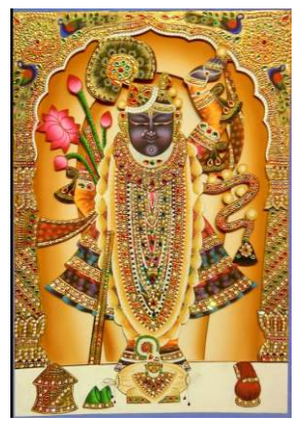

पेज 3
आरोप -प्रत्यारोप के बीच सीएम शिंदे ने दी उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई

पेज 5
ग्लैमरस गर्ल सिमरन सिंह सुमीन भट्ट के म्युजिक वीडियो में जल्द आएंगी नजर

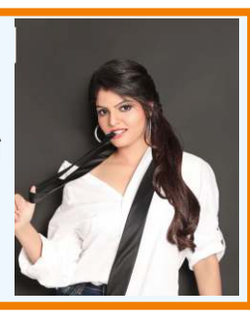

पेज 7
खतरे में तेलुगु इंडस्ट्री ! अगस्त से रोकी गई शूटिंग

पेज 8
डॉ कृष्णा चौहान द्वारा मुम्बई में हुआ "राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022" का सफल आयोजन

एक नजर

भारत-मालदीव ने की सैन्य सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बृहस्पतिवार को मालदीव के सैन्य बल के प्रमुख मेजर जनरल अब्दुल्ला शमाल से द्विपक्षीय सहयोग तथा सुरक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर गहन चर्चा की। मेजर जनरल शमाल अभी भारत की यात्रा पर हैं। मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसी देशों में से एक है और पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंध मजबूत हुए हैं। सेना ने ट्वीट किया, 'जनरल मनोज पांडे ने रक्षा बल प्रमुख मेजर जनरल अब्दुल्ला शमाल का गर्मजोशी से स्वागत किया और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।'

मानसिक हेल्थ से जुड़े पेशेवरों के लिए रिसोर्स बुक

नई दिल्ली। मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव (एमएचआई) हर्ष मारीवाला द्वारा स्थापित एक व्यक्तिगत परोपकारी पहल है जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक खास दृष्टिकोण की वकालत करने, क्षमता निर्माण करने और अनुदान जुटाने वाला संगठन है। एमएचआई हाशिए पर स्थित लोगों और समुदायों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने पर जोर देता है। सभी को साथ लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में एमएचआई ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों के लिए एक रिसोर्स बुक, क्वीर अफर्मेटिव काउंसिलिंग प्रैक्टिस (क्यूएसीपी) पेश की है। इस पुस्तक का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों को एलजीबीटीक्यूआईए+ व्यक्ति जिन खास तरह के तनावों का सामना करते है, उनकी पहचान करना और ऐसे तनावों पर काबू पाने में मदद करना है।

राष्ट्रपति बाइडन की कोविड रिपोर्ट निगेटिव

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन कोविड परिक्षण में संक्रमित नहीं मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने व्हाइट हाउस में पहली बार व्यक्ति गत रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। बाइडन ने बुधवार को रोज गार्डन से टिप्पणी में कहा, 'मेरे शरीर में कोविड के हल्के लक्षण मिले थे, जिससे मैं जल्दी ठीक हो गया। मैं अब अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

गुजराती और राजस्थानियों के चले जाने से मुंबई आर्थिक राजधानी नहीं कहलायेगी : कोश्यारी

मुंबई, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने चेताया कि यदि गुजराती और राजस्थानी मुंबई और ठाणे से बाहर चले गए तो महाराष्ट्र में पैसा नहीं बचेगा और मुंबई देश की आर्थिक राजधानी नहीं रहेगी। राज्यपाल ने शुक्रवार शाम को यहां एक कार्यक्रम में मारवाड़ी और गुजराती समुदायों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे जहां भी जाते हैं वहां के विकास के लिए अस्पतालों और स्कूलों की स्थापना करते हैं। यदि मुंबई और ठाणे से गुजरातियों और राजस्थानियों को निकाल दिया जाए तो महाराष्ट्र में पैसा नहीं बचेगा और न ही मुंबई आर्थिक राजधानी कहलायेगी। शिवसेना और कांग्रेस दोनों ने राज्यपाल की टिप्पणियों पर मराठी समुदाय के अपमान बताया और अपनी-अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। राज्यपाल के इस बयान को लेकर शिवसेना ने जबरदस्त प्रतिक्रिया व्यक्त की। शिवसेना के प्रवक्ता संजय राउत ने ट्विटर पर लिखा है, "महाराष्ट्र में भाजपा प्रायोजित मुख्यमंत्री आने से मराठी लोगों का अपमान किया जाने लगा है। राउत ने कहा है कि यह मराठी मेहनतकशों का अपमान है।" कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने भी कहा है कि यह मराठी समुदाय के लोगों को घोर अपमान है। राज्य के राज्यपाल उसी राज्य के लोगों को बदनाम करते हैं।

शिंदे गुट के 40 विधायक बनना चाहते हैं मंत्री! कैसे होगा मंत्रिमंडल का विस्तार?

मुंबई, महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लिए करीब एक महीने हो रहे हैं लेकिन अभी तक कैबिनेट का गठन नहीं हो पाया है। इसके संबंध में सवाल पूछे जाने पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यही कह रहे हैं कि जल्द से जल्द कैबिनेट का विस्तार किया जाएगा, वहीं उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक तारीख निर्धारित करने से इनकार कर दिया लेकिन यह कहा कि मंत्रियों को विभागों को जल्द ही आवंटित किया जाएगा। बताया जाता है कि मंत्रिमंडल विस्तार में देरी के लिए एकनाथ शिंदे गुट के सामने 'आंतरिक अशांति' जिम्मेदार है। सूत्रों के मुताबिक शिवसेना के बागी विधायक जो शिंदे गुट में गए हैं सभी की महत्वाकांक्षा मंत्री बनने की है, जिसे पूरा कर पाना शिंदे के लिए संभव नहीं है। इसके अलावा मंत्रिमंडल में संख्या बल के आधार पर मंत्रिमंडल में भाजपा का वर्चस्व रहेगा, यह भी स्पष्ट है। इतना ही नहीं शिंदे गुट में गए पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार जैसे कई पूर्व मंत्रियों का मंत्रिमंडल के विस्तार में पत्ता कटने के कयास लगाए जा रहे हैं। यही कारण है कि अब्दुल सत्तार सहित कई पूर्व मंत्री अपना मंत्री पद पक्का करने के लिए दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र तक अपने आकाओं के यहां भाग-दौड़ कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि भाजपा अभी वेट एंड वाच की स्थिति में है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि हमें काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शिंदे गुट पर नजर डालें तो वहां ५० विधायक हैं। इनमें ४० विधायक शिवसेना के हैं। हर कोई मंत्री बनना चाहता है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री सहित ४३ मंत्री हो सकते हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि असली शिवसेना कौन है या सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित है। मामले की सुनवाई १ अगस्त को सूचीबद्ध है। उसके बाद ही मंत्रिमंडल के विस्तार पर निर्णय लिया जा सकता है। भाजपा के एक पूर्व मंत्री ने कहा कि समस्या शिंदे गुट तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि १०६ विधायकों वाली भाजपा एक बड़ी पार्टी है।

इसे सेकंडरी भूमिका निभाते हुए नहीं देखा जा सकता। इसके समर्थन के बिना शिंदे गुट महाराष्ट्र पर शासन नहीं कर सकता। भाजपा के सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की राज्य मंत्रिमंडल को तैयार करने में और मंत्री पद के उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट करने से लेकर विभागों के बंटवारे तक महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मुहूर्त पर विश्वास नहीं करता लेकिन सत्ता परिवर्तन हुआ तो आश्चर्य नहीं !

मुंबई, संविधान और कानून के विरोध में सुप्रीम कोर्ट का कोई भी न्यायमूर्ति फैसला नहीं देगा, इसका विश्वास है इसलिए सोलह विधायकों का अयोग्य होना तय है। विधायक पद को बचाने के लिए विधायकों को दूसरे दल में विलीन होना होगा। दूसरे दल में विलीन होने के लिए कितने विधायक मानसिक रूप से तैयार होंगे, इसकी हमें कल्पना है। पत्रकारों ने शिवसेना नेता संजय राऊत के उस बयान के बारे में पूछा, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि विधायक संपर्क में भी हैं। उक्त सवाल के जवाब में प्रतिपक्ष के नेता अजीत पवार ने कहा कि सत्ता परिवर्तन हुआ तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। सत्ता स्थानांतरण के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो रहा है।

अजीत पवार का स्पष्ट मत

यह सरकार कभी भी गिर सकती है, ऐसा दावा कांग्रेस आदि दलों द्वारा किया जा रहा है। राकांपा प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटील ने कहा है कि हम सत्ता में पुनः आएंगे और उसका मुहूर्त भी बताएंगे।

इस बयान पर अजीत पवार ने कहा कि मुहूर्त पर विश्वास करने वाला व्यक्ति नहीं हूं। शपथ लेने के बाद गंभीरतापूर्वक काम करता हूं।

किसानों को तत्काल मदद घोषित करो

हमारे किसानों की सहनशीलता की परीक्षा मत लो, बारिश शुरू है, मतलब किसान इतने दिनों तक रुके लेकिन अब उनकी रुकने की मानसिकता नहीं है। इस बात को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तत्काल मदद घोषित करें, ऐसी मांग अजीत पवार ने की। कल उन्होंने वर्धा जिले में बाढ़ क्षेत्रों का दौरा करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए इस क्षेत्र की परिस्थिति को मीडिया के समक्ष रखा।

दक्षिण एशिया के पत्रकारों का संगठन 'सारा' के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव पद पर जीतु सोमपुरा की नियुक्ति

दक्षिण एशिया के पत्रकारों का संगठन 'सारा ' के राष्ट्रिय संयुक्त सचिव पद पर जीतु सोमपुरा की नियुक्ति की जाहीरात संस्था के अध्यक्ष डॉ. सीमाबेन पटेलने की थी उस वक्त की तस्वीर.

दीव : समग्र दक्षिण एशिया के देशों के पत्रकारों के हित में विभिन्न कार्यों करने के लिए स्थापित कीये गए साउथ एशिया रिपोर्टर्स एसोसिएशन (सारा) के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव पद पर पत्रकार जीतु सोमपुरा जी को नियुक्त किया गया हैं ऐसी जाहीरात संस्था के अध्यक्ष डॉ. सीमा बेन पटेल ने एक समारोह में की थी।

दीव में विशेष पत्रकारों के सम्मान हेतू आयोजित पत्रकार रत्न एक्सलेंस एवॉर्ड समारोह के अध्यक्ष पद पर दीव के मेयर हेमलता बेन सोलंकी तथा अतिथि विशेष पद पर पूर्व केबिनेट मंत्री धारासभ्य जवाहर भाई चावड़ा उपस्थित थे। इस अवसर पर सुख शांति समृध्धि धार्मिक पत्रिका के संपादक जीतु भाई सोमपुरा को पत्रकार रत्न एवॉर्ड देकर सम्मानित गया था।

मुंबई को मिलेगी गड्ढों से मुक्ति ! जिओ पॉलीमर और रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट का होगा इस्तेमाल

मुंबई, मुंबई को गड्ढों से मुक्ति दिलाने के लिए जिओ पॉलीमर और रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट का उपयोग किया जाएगा। इससे आने वाले समय में मुंबईकरों का सफर गड्ढामुक्त होने वाला है। मनपा ने इस काम के लिए अगले १५ दिनों का टेंडर निकाला है।

दिलचस्प बात यह है कि इसमें ठेकेदार को ५० प्रतिशत राशि का भुगतान काम पूरा होने पर और शेष ५० प्रतिशत राशि का भुगतान गारंटी अवधि पूर्ण होने पर किया जाएगा।

मुंबई में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण मुख्य रूप से डामर की सड़कों पर गड्ढे बन रहे हैं। हालांकि इन गड्ढों को तुरंत भरने के लिए कार्रवाई की जा रही है, फिर भी लगातार भारी बारिश और ट्रैफिक जाम की वजह से कोल्डमिक्स जैसी पारंपरिक तकनीकों का उपयोग भी सीमित हो रहा है। ऐसे में गड्ढों को भर तो दिया जाता है लेकिन कुछ समय बाद फिर से गड्ढे बन जाते हैं। इस पृष्ठभूमि में अपर आयुक्त पी. वेलारासु ने हाल ही में विभिन्न स्थानों पर किए सड़क निरीक्षण दौरे के बाद गड्ढों को भरने के लिए नई और उन्नत इंजीनियरिंग विधियों का परीक्षण करने का निर्देश सड़क विभाग को दिया था। इसके तहत उपायुक्त उल्हास महाले की देख-रेख में सड़क विभाग ने ईस्ट फ्री वे के तहत दयाशंकर चौक, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट रोड और आणिक-वडाला रोड पर विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन प्रस्तुत किया था। इसमें रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट, स्टील प्लेट से भरे एम-६० कंक्रीट, जिओ पॉलीमर कंक्रीट और पेवर ब्लॉक ये चार तरीके पायलट आधार पर प्रस्तुत किए गए थे।

पत्रकारिता के इतिहास में धर्मक्षेत्र में सर्व प्रथम 65 साल के जीतु सोमपुरा जी ने विशेष योगदान दिया हैं

१८ साल से अधिक समय तक मुंबई के जन्मभूमि प्रवासी दैनिक में संतो और पाठकों के बिच धर्म सेतू के निर्माण में अनोखी भूमिका निभाकर समाज के समक्ष प्रेरणा का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया। धार्मिक पत्रकारिता के साथ साथ ६ गुजराती फिल्म और टीवी सीरीयल का लेखन किया। एक फिल्म को गुजरात सरकार का श्रेष्ठ पटकथा लेखक का एवॉर्ड मिला। फिल्म टीवी क्षेत्र को त्याग कर धार्मिक पत्रकारिता में संतो और पाठकों के बिच प्रेरणा सेतू के निर्माण में अपना योगदान देने पर ध्यान केंद्रित किया। गुजराती चैनल गुर्जरी में धार्मिक कार्यक्रमो के प्रमुख पद से दिनरात की मेहनत की वजह से गुर्जरी चैनल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धर्म क्षेत्र में लोकप्रियता हासिल की। गुजराती गुर्जरी चैनल की पांच साल की सफलता से प्रेरणा लेकर आरंभ हुई हिंदी धार्मिक चैनल आस्था और संस्कार चैनल में विशेष योगदान दिया। जीतु सोमपुरा जी की धर्मयात्रा में देश की प्रथम IPTV ज्ञान चैनल तथा ब्रह्माकुमारी की पीस ऑफ माइंड चैनल का भी समावेश है। धार्मिक पत्रकारिता की यात्रा के दौरान उन्होंने गुजराती भजनों के ५० घंटे का vdo इतिहास तथा हिंदी में ४०० से ज्यादा प्रेरणात्मक कार्यक्रमों का निर्माण किया है। पूज्य प्रमुख स्वामी महाराज की मुलाकात पर आधारित अक्षर संवाद पुस्तक समेत कुल ४ धार्मिक पुस्तक लिखे हैं। वर्तमान में वे धार्मिक सुख शांति समृध्धि हिंदी पत्रिका के संपादक हैं। संतो के जीवन तथा आश्रमो द्वारा हो रही लोक सेवा पर आधारित लघु दस्तावेजी चलचित्रो का निर्माण करते रहेते हैं। अब तक पत्रकार जितु सोमपुरा जी को समग्र जीवनकाल के दौरान धार्मिक पत्रकारिता क्षेत्र में दिए हुए योगदान के लिए कुल ५ एवॉर्ड मिले हैं।

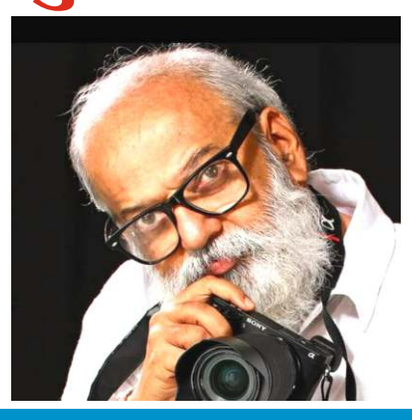

लोकल की भूलभुलैया में यात्री भूल गए सामान!

मुंबई, लोकल ट्रेनों में अक्सर लोग अपना सामान भूल जाते हैं। भीड़ वाले स्टेशनों पर ये घटनाएं ज्यादा होती हैं क्योंकि जल्दी उतरने के चक्कर में चूक हो जाती है। इस साल जनवरी से जून तक मध्य और पश्चिम रेलवे आरपीएफ ने करीब ४ करोड़ रुपए की कीमत का ट्रेनों में छूटा हुआ सामान यात्रियों को लौटाया है।

इसमें से करीब ढाई करोड़ का सामान तो केवल मुंबई की लोकल ट्रेनों में मिला है। आरपीएफ का ऑपरेशन अमानत रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के अलावा, ऑपरेशन 'अमानत' के तहत आरपीएफ ने यात्रियों के खोए या छूट गए सामान, मोबाइल फोन, लैपटॉप जेवर, नकद आदि जैसे मूल्यवान सामान लौटाए हैं। मध्य रेलवे पर जनवरी से जून २०२२ तक आरपीएफ ने १.८९ करोड़ रुपए का सामान ६८९ यात्रियों को लौटाया है। इनमें से ३५४ यात्री मुंबई लोकल ट्रेनों में सामान भूल गए जिसकी कीमत करीब १.१७ करोड़ रुपए थी।

गुजरात में जहरीली शराब का हो रहा है कारोबार कौन दे रहा संरक्षण?

बोटाद, गुजरात में 'जहरीली शराब' का बिक्री का मुद्दा गरमा गया है। राज्य के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने की वजह से ४२ लोगों ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद अब गुजरात सरकार विपक्षी नेताओं के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस घटना पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जहरीली शराब पीने से कई घर उजड़ गए। राज्य में अरबों की ड्रग्स बरामद हो रही है ये बहुत चिंता की बात है। आखिर कौन सी ऐसी सत्ताधारी ताकतें हैं, जो इस नशे के कारोबारियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, 'ड्राई स्टेट गुजरात में जहरीली शराब पीने से कई घर उजड़ गए। वहां लगातार अरबों की ड्रग्स भी बरामद हो रही है। बापू और सरदार पटेल की धरती पर ये कौन लोग हैं, जो धड़ल्ले से नशे का कारोबार कर रहे हैं? इन माफियाओं को कौन सी सत्ताधारी ताकतें संरक्षण दे रही हैं?'।

दरअसल, गुजरात में शराब बंदी लागू हैं, ऐसे में नकली शराब पीने से लोगों की मौत का मुद्दा विपक्ष के निशाने पर है।

'गुजरात के सीएम को देना चाहिए इस्तीफा'

इससे पहले आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा था कि मासूम बच्चों को गुजरात की ज़हरीली शराब ने अनाथ बना दिया। क्या सदन में इनका मुद्दा उठाना गुनाह है? क्या गुजरात के मुख्यमंत्री को इस्तीफा नही देना चाहिए?' आम आदमी पार्टी के ट्विटर हैंडल से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मन की बात तो खूब करते हैं, लेकिन जहरीली शराब पर चर्चा करने से क्यों भागते हो?

मनी लॉन्ड्रिंग पर लगे रोक

प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के सख्त प्रावधानों और इनके तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में मिले अधिकारों पर आया सुप्रीम कोर्ट का फैसला दूरगामी प्रभाव वाला है। इस मामले पर सबकी नजरें सिर्फ इस वजह से नहीं थीं कि इससे बहुत सारे हाई-प्रोफाइल केस जुड़े हुए हैं। हालांकि यह तथ्य भी अपनी जगह महत्वपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उन 242 याचिकाओं के समूह पर सुनवाई करते हुए दिया है, जिनमें पीएमएलए के अलग-अलग प्रावधानों के औचित्य पर सवाल उठाया गया था। लेकिन इसकी सबसे खास बात यह थी कि इसमें न्याय शास्त्र के मूल सिद्धांतों से जुड़ी अहम मान्यताएं दांव पर थीं। उदाहरण के लिए, इस कानून के तहत लगाए गए आरोपों को साबित करने की जिम्मेदारी जांच एजेंसी की नहीं होती। आरोपी को ही यह साबित करना होता है कि वह बेकसूर है। दूसरे शब्दों में, जब तक अपराध साबित न हो जाए तब तक आरोपी को बेकसूर मानने वाली थियरी यहां बिल्कुल पलट जाती है। सवाल था कि क्या यह उचित माना जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अपराधी साबित होने से पहले तक बेकसूर माना जाना बेशक हर आरोपी का मानवाधिकार है, लेकिन संसद द्वारा बनाए गए कानून के जरिए कुछ खास मामलों में इसे निरस्त किया जा सकता है। ऐसे ही एक और सवाल था कि जैसे पुलिस के लिए एफआईआर की कॉपी उपलब्ध कराना आवश्यक होता है, वैसे ही क्या ईडी के लिए भी यह जरूरी नहीं होना चाहिए कि गिरफ्तारी से पहले वह संबंधित व्यक्ति को ईसीआईआर (एन्फोर्समेंट केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट) की कॉपी उपलब्ध कराए। कोर्ट ने इस मामले में भी साफ किया कि ईसीआईआर की तुलना एफआईआर से नहीं की जा सकती। यह ईडी का एक आंतरिक दस्तावेज है, जिसे आरोपी के साथ साझा करना उसके लिए जरूरी नहीं है। ईडी गिरफ्तारी के वक्त संबंधित व्यक्ति को उसका आधार बता देती है तो यह काफी है। ऐसे ही सुप्रीम कोर्ट ने कुर्की-जब्ती वगैरह से जुड़े ईडी के तमाम अधिकारों पर भी कैंची चलाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग आतंकवाद और ड्रग्स कारोबार से जिस अभिन्न रूप में जुड़ा है, उसके मद्देनजर इन मामलों को हलके में नहीं लिया जा सकता। वैसे भी ऐसा नहीं हो सकता कि हम राज्य या सरकार से तमाम गंभीर अपराधों पर अंकुश लगाने की उम्मीद तो करें, लेकिन संबंधित एजेंसियों को उसके लिए आवश्यक अधिकार देने को तैयार न हों। बहरहाल, ईडी के अधिकारों पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग जाने के बाद यह और जरूरी हो गया है कि एजेंसी इन अधिकारों के इस्तेमाल में पहले से ज्यादा विवेकपूर्ण रवैया अपनाए ताकि उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें खुद ही बेअसर हो जाएं।

पर्यावरण संकट

किरीट ए. चावड़ा

देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को पद की शपथ ली और बतौर राष्ट्रपति पहली बार देश को संबोधित किया। उससे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार शाम आखिरी बार देश को संबोधित किया। दिलचस्प है कि दोनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल के समापन और आरंभ के इस ऐतिहासिक मौके का इस्तेमाल करते हुए पर्यावरण के सवाल को महत्वपूर्ण ढंग से रेखांकित किया। चौदहवें राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि प्रथम नागरिक के रूप में अगर मुझे अपने देशवासियों को कोई एक सलाह देनी हो तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि प्रकृति माता गहरी तकलीफ में हैं और जलवायु संकट इस समूचे ग्रह के भविष्य को खतरे मे डाल सकता है। इसी तरह नई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मेरा तो जन्म उस जनजातीय परंपरा में हुआ है जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। बेशक राष्ट्रपति हमारे देश के संवैधानिक प्रमुख हैं और वह शासन के रोजमर्रा के कामकाज से ऊपर होते हैं। बावजूद इसके, अगर एक के बाद एक दोनों राष्ट्रपतियों ने इस मसले को अपने भाषण शामिल करने की जरूरत महसूस की तो यह अकारण नहीं हो सकता। पर्यावरण आज इतना बड़ा मसला होता जा रहा है जो हर मनुष्य के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। सरकारें अपने स्तर पर जो कुछ कर सकती हैं कर रही हैं, हालांकि वह जरूरत से बहुत कम है, लेकिन फिर भी उसमें इजाफा हो जाए तब भी वह काफी नहीं होगा। सरकारों की अपनी सीमा होती है। जरूरत इस बात की है कि हर व्यक्ति अपने सोचने-समझने, काम करने बल्कि कहें जीने के ढंग में बदलाव की न केवल तैयारी दिखाए बल्कि बदलाव सुनिश्चित करे। अपनी समझ बदलने औऱ स्वेच्छा से खुद को बदलाव का वाहक बनाने से ही यह उद्देश्य पूरा हो सकता है। दोनों राष्ट्रपतियों ने अपने आखिरी और पहले भाषण के जरिए देशवासियों को यही संदेश देने की कोशिश की है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से हाथ झाड़ सकती है। ध्यान रहे पिछले ही महीने विश्व बैंक की ओर से जारी की गई एनवायरनमेंट परफॉर्मेंस इंडेक्स 2022 में भारत सबसे निचली पांत के देशों में शामिल था। हालांकि इन एनवायरनमेंट रिपोर्टों के मानकों पर सवाल भी उठते रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद इस सचाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में हम बहुत पीछे हैं और हमें बहुत कुछ करना है। बेहतर होगा कि नागरिक और सरकार दोनों इस मामले में तालमेल बनाए रखते हुए तेजी से आगे बढ़ें और दुनिया के सामने मिसाल पेश करें।

जब सद्दाम हुसैन की बेरुखी पर भड़क गए प्रणब मुखर्जी

गणेश पाण्डेय

सन 1980 में मैं तत्कालीन वाणिज्य मंत्री प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल का सदस्य बनकर बगदाद गया। मौका बाथ क्रांति की 12वीं जयंती पर मनाए जाने वाले उत्सव का था। मेरे अलावा प्रतिनिधिमंडल में कांत भार्गव थे, जो कि विदेश मंत्रालय से थे। यह इराक-ईरान युद्ध से कुछ पूर्व की बात है। उस समय तक सद्दाम की सत्ता पर पकड़ बन चुकी थी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य एक शाम दिल्ली से मुंबई के लिए हवाई जहाज से रवाना हुए, जहां से उन्हें इराकी विमान से बगदाद पहुंचना था। उड़ान के दौरान कांत भार्गव ने मंत्री महोदय को उस पत्र की प्रतिलिपि दिखाई, जो प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सद्दाम हुसैन के लिए लिखा था। यह पत्र श्रीमती गांधी की ओर से सद्दाम हुसैन को दिया जाना था। पत्र कुछ इस प्रकार था, 'प्रिय राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन, मैं सरकार और भारत की जनता की ओर से बाथ क्रांति की बारहवीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आपको और इराक की जनता को बधाई देना चाहती हूं। हम आपको इस सुअवसर पर अपनी शुभकामनाएं भेज रहे हैं। भारत इराक के तेल का बहुत बड़ा आयातक है। नीचे दिया गया विवरण आपको हमारी वार्षिक आवश्यकताओं और आयात से अवगत करा देगा। कृपया उचित शर्तों पर हमें और अधिक तेल देने का कष्ट करें।' प्रधानमंत्री के हस्ताक्षर के बाद इस पत्र के नीचे की खाली जगह में एक छोटा-सा चार्ट था, जिसमें हमारी तेल की आवश्यकताओं का विवरण दिया गया था। जैसे ही मैंने यह पत्र पढ़ा, मैं पीड़ा-भाव से कराह उठा। प्रणब मुखर्जी ने जब मुझसे इसका कारण पूछा तो मैंने उनसे कहा कि इराकी राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री की ओर से ऐसे असंगत ढंग से पत्र लिखा जाना शोभा नहीं देता।

बड़ा रूखा सा था वह पत्र

मेरे विचार में यह पत्र दोनों देशों के आपसी संबंधों की निकटता और गहराई की अभिव्यक्ति का एक दस्तावेज होना चाहिए था और इसमें सद्दाम हुसैन के लिए प्रशंसा से भरे शब्दों के साथ 'प्रिय भाई' जैसा कोई आत्मीय संबोधन होना चाहिए। पत्र के अंत में बस इतना उल्लेख करना काफी होता कि हमारा प्रतिनिधि तेल के संबंध में कुछ अनुरोध करेगा, उसमें आप हमारी सहायता करने की कृपा करें। मेरा यह दृष्टिकोण इंदिरा गांधी और सद्दाम हुसैन के गहरे और मैत्रीपूर्ण संबंधों पर आधारित था, किंतु पत्र में कोई बदलाव अब संभव नहीं था।

हम सुबह के तीन बजे बगदाद पहुंचे, हवाई अड्डे पर इराक के तेल मंत्री हमारे स्वागत के लिए आए। जब यह कहा गया कि प्रणब मुखर्जी स्वयं इंदिरा गांधी का एक पत्र सद्दाम हुसैन को देना चाहेंगे तो तेल मंत्री तुरंत इस मुलाकात का प्रबंध कराने को तैयार हो गए। प्रोटोकॉल के अनुसार उस पत्र की एक प्रतिलिपि इराकी अधिकारियों को भी दे दी गई। हमारी आशंका निर्मूल साबित नहीं हुई। बाद के उन तीनों दिन हम प्रणब मुखर्जी के लिए सद्दाम के बुलावे की आतुरता से प्रतीक्षा करते रहे। हम प्रातः से रात्रि तक टीवी पर सद्दाम हुसैन को स्कूली बच्चों, स्थानीय नागरिकों से मिलते हुए और असंख्य विदेशी प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करते हुए देखते। प्रणब मुखर्जी की बेचैनी प्रतिक्षण बढ़ती जा रहा थी। ऐसे में वह लगभग हर घंटे भारत के राजदूत पीटर सिनॉय से पूछते, 'क्या आपने इराकी अधिकारियों को याद दिला दिया है कि मैं सद्दाम से मिलने का इंतजार कर रहा हूं?' पीटर विनम्रतापूर्वक उत्तर देते, 'श्रीमन, मैं अपनी ओर से पूरा प्रयत्न कर रहा हूं। वे भलीभांति जानते हैं कि आप सद्दाम के बुलावे की प्रतीक्षा में बैठे हैं।' एक बार प्रणब ने पीटर से यह तक कह दिया, 'क्या आपने इराकी अधिकारियों को बता दिया है कि मैं इंदिरा गांधी के बाद भारत का दूसरा सबसे प्रमुख व्यक्ति हूं?' पीटर ने कूटनीतिक शैली में जवाब दिया, 'जी हां, उन्हें यह सब अच्छी तरह मालूम है।' हमारे साथ एक दूसरा दल भी गया था। इराकी सरकार ने अनेक देशों से एक आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल और एक पार्टी प्रतिनिधिमंडल को निमंत्रित किया था। हमारे प्रतिनिधिमंडल के अतिरिक्त सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व जो शिष्ट-मंडल कर रहा था उसके सदस्य एसएस महापात्र और आरिफ मोहम्मद खान भी थे। महापात्र जो अब इस संसार में नहीं हैं, उस समय भारतीय कांग्रेस के 'युवा मोर्चा' के अध्यक्ष थे, जबकि आरिफ मोहम्मद खान उस समय कांग्रेस सांसद थे।

तीसरे दिन शाम छह बजे के आसपास हम टीवी स्क्रीन पर महापात्र और आरिफ मोहम्मद खां को देखकर चकित रह गए। वहां वे सद्दाम के निकट एक पंक्ति में खड़े थे और जब उनकी बारी आई तो उनका सद्दाम से परिचय कराया गया। सद्दाम ने महापात्र को जोश से गले लगाकर उनके साथ देर तक बातचीत की। यह देखकर प्रणब एकदम खड़े हो गए और हमसे टीवी तुरंत बंद कर देने को कहा। उन्होंने सिनॉय से बड़ी रुखाई के साथ कहा, 'पहली फ्लाइट से हमारी भारत वापसी का इंतजाम करो।' देर रात तक हम विमान में बैठे भारत वापस लौट रहे थे।

तौलिया लपेटे रहते महापात्र

इसी यात्रा के दौरान वहां जब हम लोग पहुंचे थे तो महापात्र ने मुझसे कहा कि उनका सामान दिल्ली से आते समय कहीं खो गया है। मैंने प्रतिनिधिमंडल की आकस्मिक निधि से दो सौ अमेरिकन डॉलर निकालकर उन्हें दिए ताकि वह कपड़े और दूसरे आवश्यक सामान खरीद सकें। महापात्र ने इस पैसे से कपड़े खरीदने के बजाय कुछ इलेक्ट्रॉनिक सामान और मनोरंजन की विदेशी वस्तुएं खरीद लीं।

उनका सामान अगले तीन दिनों तक नहीं आया और वह पूरी यात्रा के दौरान अपना वही खुरदुरा ऊनी, बंद गले का, खादी सूट पहने रहे। बड़ी-बड़ी अजीब धारियों वाला उनका यह सूट बड़े भड़कीले रंग का था। इससे भी ज्यादा मजे की बात यह थी कि उनकी पैंट की धारियां उनके जैकेट की धारियों से तनिक भी मेल नहीं खा रही थीं, इसलिए बहुत ही अजीब लग रही थीं। महापात्र रोज शाम ढले मेरे होटल के कमरे में ड्रिंक के लिए आ जाते। उस समय वे एक तौलिया लपेटे होते, क्योंकि उनका इकलौता सूट हवा में सूख रहा होता।

पार्थ के लिए ममता ने क्यों नहीं उठाई आवाज

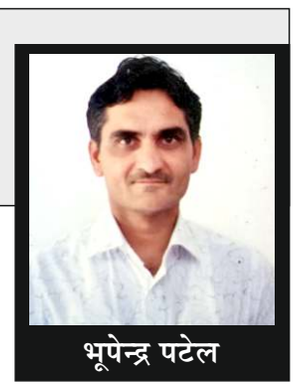

भूपेन्द्र पटेल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हालिया छापे के बाद तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और बंगाल के उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पार्थ चटर्जी ने मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को चार बार फोन लगाया। हर बार बांग्ला में यही जवाब मिला- आपनी जे... दया कोरे किछु खुन पोरे डायल करून। दीदी फोन उठा नहीं रही थीं और पार्थ की धड़कनें बढ़ती जा रही थीं। जाहिर है, वह दीदी से मदद की आस लगाए हुए थे। पार्थ देख चुके थे कि 2019 में शारदा घोटाले को लेकर कोलकाता के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में ममता बनर्जी खुद सड़क पर आ गई थीं। मई 2021 में भी नारद स्कैम में फंसे तृणमूल के मंत्रियों और विधायकों की गिरफ्तारी के बाद वह सीबीआई के कोलकाता कार्यालय में घंटों धरने पर बैठी थीं। मगर इस बार पार्थ चटर्जी की त्राहिमाम गुहार पर ममता का मौन संदेश था, हे पार्थ! मैं इस पाप की भागीदार नहीं बनूंगी।

अपनी छवि की चिंता

तीन दिन बाद 25 जुलाई को बंग विभूषण समारोह में भाषण देते हुए ममता ने साफ कह दिया कि अगर कोई दोषी साबित होता है तो आजीवन कारावास की सजा दी जाए और वह भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करतीं। वह इस बात से उत्तेजित थीं कि विपक्ष घोटाले को लेकर उनको भी संदेह के दायरे में ला रहा है। उनकी नाराजगी सही थी। शायद ही किसी को ममता की ईमानदारी पर शक हो। ममता की व्यक्तिगत छवि अच्छी होने के कई कारण हैं:

पहला, वह लंबे समय तक सांसद रही हैं, लेकिन पूर्व सांसद वाली पेंशन नहीं लेतीं।

दूसरा, बतौर सीएम सीएम भी वह अपना वेतन नहीं ले रही हैं।

तीसरा, उनका गुजारा पुस्तकों और गीतों की रॉयल्टी और पेंटिंग की बिक्री से मिली रकम से चलता है। सादगी आज भी उनकी पहचान बनी हुई है। बावजूद इन सबके, सरकार की मुखिया होने के नाते वह अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकतीं। जहां तक बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन में अवैध नियुक्तियों की जांच का सवाल है तो हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई यह जांच कर रही है। लेकिन भारी मात्रा में अवैध लेनदेन का सुराग मिलने पर एन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने भी अपनी जांच शुरू की। इसी जांच के तहत ईडी ने 22 जुलाई की सुबह घोटाले से जुड़े 14 लोगों के घरों पर एक साथ छापा मारा। इनमें पार्थ चटर्जी के अलावा वर्तमान शिक्षा राज्य मंत्री परेश सी. अधिकारी, विधायक और पश्चिम बंगाल बोर्ड ऑफ प्राइमरी एजुकेशन के पूर्व अध्यक्ष माणिक भट्टाचार्य, पार्थ चटर्जी की निकट सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के नाम शामिल थे। अर्पिता मुखर्जी के आवासीय परिसर से 21.20 करोड़ रुपये, 22 से अधिक मोबाइल फोन, संदिग्ध कंपनियों के दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, विदेशी मुद्रा और सोना बरामद हुए। पूछा जा रहा है कि क्या यह सब पार्थ चटर्जी का ही है? इस संदेह के तीन कारण हैं:

पहला, बरामद किए गए आधा दर्जन फ्लैटों और जमीन के दस्तावेजों में कइयों पर दोनों के नाम हैं।

दूसरा, छापे के दौरान नोटों के कई ऐसे पैकेट मिले हैं, जिनके लिफाफों पर स्कूल सर्विस कमिशन लिखा हुआ है।

तीसरा, 2014 से 2021 तक पार्थ चटर्जी राज्य के शिक्षा मंत्री थे। लगभग सारे मामले इसी दौर के हैं। वैसे राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि पार्टी के दूसरे नंबर के नेता अभिषेक बनर्जी घोटाले का खुलासा होते ही पार्थ को मंत्री पद से हटाने के पक्ष में थे, लेकिन ममता ने तृणमूल की स्थापना से जुड़े इस नेता पर दया दृष्टि बनाए रखी।

पार्थ का दक्षिण कोलकाता के नाकतला इलाके की डायमंड सिटी में एक आलीशान फ्लैट है, जो कथित तौर पर उनके पालतू कुत्तों को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भर्ती घोटाले की जांच कर रहे न्यायमूर्ति अभिजीत गांगुली ने पिछले मई महीने में कहा था कि 'पार्थ के पास अपने पालतू कुत्तों के लिए एक फ्लैट है। वह इतनी संपत्ति के मालिक कैसे बन गए? इसका विवरण अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए।' पार्थ ने अपनी दिवंगत पत्नी की याद में पश्चिम मिदनापुर के पिंगला में बबली चटर्जी मेमोरियल इंटरनैशनल स्कूल खोला है। स्कूल के लिए 85 करोड़ रुपये में 27 बीघा जमीन खरीदी गई। इसे बनाने में कितनी लागत आई होगी, यह अलग सवाल है।

संदेह के घेरे में अन्य नेता भी

बात सिर्फ पार्थ चटर्जी की नहीं है। कई अन्य नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। बाहुबली नेता अणुव्रत मंडल का एक अंगरक्षक सैगल हुसैन राज्य पुलिस में कांस्टेबल है, मगर उसके पास 100 करोड़ रुपये से भी अधिक की संपत्ति का पता चला है। मवेशी तस्करी कांड की जांच कर रही सीबीआई के मुताबिक कोलकाता के न्यूटाउन इलाके के अलावा बोलपुर समेत विभिन्न जगहों पर सैगल के फ्लैट हैं। उसके नाम करीब 200 बीघा जमीन है। सोने-चांदी के गहने, एक पेट्रोल पंप, कई वाहन हैं। सैगल फिलहाल सीबीआई की हिरासत में है। पार्टी के कुछ अन्य नेताओं पर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं।

ममता बनर्जी अपने राजनीतिक जीवन में सादगी और ईमानदारी पर जोर देती आई हैं। लेकिन पार्थ चटर्जी जैसे मामलों से उनकी छवि पर आंच आ रही है। मुख्यमंत्री को पता है कि बीजेपी इस तरह के मुद्दों का उनके खिलाफ इस्तेमाल करने की कोशिश करेगी। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी का पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था, लेकिन उसके बाद विधानसभा चुनाव में ममता ने बड़े अंतर से उसे हराया था। ऐसे में 2024 आम चुनाव में दोनों के बीच एक बार फिर जोरदार मुकाबला हो सकता है। वह भी तब, जबकि ममता राष्ट्रीय स्तर पर भी बीजेपी के खिलाफ एक आवाज बनने की कोशिश कर रही हैं। इसलिए उन्हें भ्रष्टाचार के किसी भी आरोप से अपने दामन को बचाकर रखना होगा।

आरोप -प्रत्यारोप के बीच सीएम शिंदे ने दी उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई

मुंबई। शिवसेना से बगावत करने के बाद एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट में शुरू आरोप - प्रत्यारोप के बीच बुधवार 27 जुलाई को शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बधाई दी.सीएम शिंदे द्वारा उध्दव ठाकरे को दी गई बधाई की जोरदार चर्चा है.शिंदे ने उद्धव ठाकरे को ट्वीट के माध्यम से बधाई देते हुए शिवसेना पक्ष प्रमुख की बजाय पूर्व मुख्यमंत्री का जिक्र किया।इसे लेकर राज्य की राजनीति गलियारे में जोरदार चर्चा है.एकनाथ शिंदे के ट्वीट के बाद सवाल उठने लगा है कि क्या मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे को पार्टी का प्रमुख नहीं मानते.शिंदे के ट्वीट पर शुरू चर्चा उठने के बाद एकनाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता और विधायक दीपक केसरकर सामने आए.उन्होंने मीडिया (Media) से बातचीत करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे को हम सिर्फ एक पार्टी के नेता के तौर पर सीमित नहीं करना चाहते, बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री कहकर उन्हें पूरे महाराष्ट्र से जोड़ना चाहते थे. यही कारण है कि उन्होंने उनका जिक्र शिवसेना पार्टी प्रमुख के तौर पर नहीं किया। सीएम के बाद उनके बेटे सांसद श्रीकांत शिंदे ने भी पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के जन्मदिन की बधाई दी. सीएम शिंदे और पिता से उलट उन्होंने ,जन्मदिन की बधाई देते वक्त शिवसेना पक्ष प्रमुख का जिक्र किया। शिवसेना के दूसरे सांसद और नए बनाए गए संसदीय दल के नेता राहुल शेवाले ने भी उद्धव ठाकरे के नाम के आगे पार्टी प्रमुख का जिक्र किया. राहुल शेवाले ने पूछे जाने पर कि मुख्यमंत्री शिंदे ने उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर बधाई देते वक्त पार्टी प्रमुख का जिक्र क्यों नहीं किया इसके जवाब में शेवाले ने कहा कि सीएम शिंदे के इस विषय पर मैं कुछ नहीं बोल सकता है.

बिजली बिल वसूली से मिलेगी निजात

मुंबई। बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल की वसूली बड़ी समस्या है। महाराष्ट्र में बिजली उपभोक्ताओं पर करोड़ों रुपए बकाया है। इससे बिजली वितरण कंपनी की माली हालत खस्ता है। ऐसे हालत में महाराष्ट्र सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के घरों में प्रीपेड-स्मार्ट मीटर लगाने का फैसला किया है। प्रीपेड मीटर लगने के बाद बिजली ग्राहकों को मोबाइल फोन की तरह अपने घरों के बिजली मीटरों को रिचार्ज करना होगा, ताकि उन्हें अबाधित रूप से बिजली मिल सके। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य के बिजली

ग्राहकों के लिए प्रीपेड-स्मार्ट मीटर (prepaid-smart meters) लगाने की योजना को मंजूरी प्रदान की गई। सरकार का दावा है कि इससे 1 करोड़ 66 लाख ग्राहकों को फायदा होगा। मीटर लगाने का खर्च 10 हजार करोड़ रुपए होगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कहना है कि नए प्रीपेड-स्मार्ट मीटर लगाने का खर्च उपभोक्ताओं से नहीं वसूला जाएगा। कैबिनेट बैठक में राज्य की बिजली वितरण प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार करते हुए वितरण कंपनियों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत महावितरण कंपनी को 39 हजार 602 करोड़ और बेस्ट को 3 हजार

461 करोड़ की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को मंजूरी दी गई। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक कुल तकनीकी और वाणिज्यिक नुकसान को 12 से 15 प्रतिशत तक कम करना है। इसके अलावा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए नए उपकेंद्र, नए ट्रांसफार्मर और नई लाइनों को बिछाने का काम किया जाएगा। राज्य के बिजली उपभोक्ताओं के लिए प्रीपेड-स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। इससे करीब 1 करोड़ 66 लाख ग्राहकों को फायदा होगा। वितरण ट्रांसफार्मरों पर भी मीटर लगाए जाएंगे।

केवल मीटर लगाने के लिए ही 10 हजार करोड़ की रकम खर्च होने की उम्मीद है।

विधानमंडल का 18 जुलाई से शुरू होने वाला मानसून अधिवेशन टला

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल का 18 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून अधिवेशन को टाल दिया गया है। शुक्रवार को विधानमंडल सचिवालय की ओर से यह जानकारी दी गई। विधानमंडल सचिवालय ने बताया कि राज्य सरकार के संसदीय कार्य विभाग की ओर से सूचित करने के बाद मानसून अधिवेशन को स्थगित किया गया है। विधानमंडल के दोनों सदनों के सदस्यों को मानसून अधिवेशन टाले जाने के बारे में अवगत कर दिया गया है। अब मानसून सत्र के नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। इसके पहले तत्कालीन महाविकास आघाड़ी सरकार ने 18 जुलाई को मानसून सत्र आयोजित करने का फैसला लिया था। लेकिन राज्य में बीते 30 जून को भाजपा और शिवसेना के शिंदे गुट वाली नई सरकार का गठन हुआ है। 18 जुलाई को राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विधानभवन में मतदान होगा। इसके अलावा नई शिंदे सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार भी नहीं हो पाया है। इसके मद्देनजर अब मानसून अधिवेशन को टालने का फैसला लिया गया है।

अब सुप्रीम कोर्ट की शरण में `हरियाली'! 'आरे' के पेड़ कटाई मामले की सुनवाई

मुंबई, मेट्रो कारशेड बनाने के लिए गोरेगांव स्थित 'आरे' के 'हरे-भरे' पेड़ों को काटने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। मुंबई के पर्यावरण से जुड़ा यह मामला इतना गंभीर है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले से जुड़ी याचिका पर तुरंत सुनवाई करने को राजी हो गया। राज्य में सत्ता की बागडोर संभालते ही शिंदे सरकार ने पर्यावरण प्रेमियों के भारी विरोध के बावजूद हरे पेड़ काटने का निर्णय लिया है।

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई कर रहे न्यायधीशों ने कहा कि इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की जाएगी। जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की पीठ याचिका को लेकर सुनवाई करेगी। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने कल जस्टिस चंद्रचूड़ से मामले की जल्द सुनवाई की मांग की थी। जस्टिस चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायण द्वारा मामले का उल्लेख किए जाने के बाद याचिका पर सुनवाई करने के लिए राजी हो गई। शंकरनारायण ने कहा कि पहले के स्थगनादेश के बावजूद रात भर पेड़ों की कटाई चल रही है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास तस्वीरें हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि यह पीठ इस मामले पर सुनवाई करेगी। क्या हम इसे कल के लिए सूचीबद्ध कर सकते हैं?' उन्होंने कहा कि सप्ताहांत को जेसीबी काम करेगी, इसलिए मामले पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। उच्चतम न्यायालय ने आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने की मांग करते हुए कानून के छात्र ऋषभ रंजन द्वारा प्रधान न्यायाधीश को लिखे पत्र पर २०१९ में स्वतः संज्ञान लिया था। न्यायालय ने प्राधिकारियों को आरे कॉलोनी में और पेड़ काटने से रोक दिया था। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि और पेड़ नहीं काटे जाएंगे।

आरे में पेड़ों की कटाई के खिलाफ ये आवाज नहीं दबेगी !

मुंबई, आरे में शिंदे सरकार की ओर से मेट्रो कारशेड बनाने के निर्णय का हो रहा विरोध अब विकराल रूप पकड़ता जा रहा है। 'आरे बचाओ' आंदोलन के कार्यकर्ताओं ने सरकार को साफ चेताया है कि यदि सरकार ने उनकी नहीं सुनी और एक भी वृक्ष काटा तो वे सड़क पर उतरेंगे। समिति का साफ कहना है कि चाहे कुछ भी हो जाए आरे में पेड़ कटाई के खिलाफ उनका विरोध जारी रहेगा और सरकार चाहे कुछ भी कर ले, उनकी ये आवाज नहीं दबेगी।

बुधवार को आरे बचाओ समिति और वनशक्ति संस्था के लोगों ने पत्रकार परिषद लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाया और कहा कि सरकार आरे में ड्राइव चलाकर (सभी रास्तों को बंद कर) लगभग २ हजार पेड़ काटने की तैयारी में है। समिति ने आरोप लगाया कि सरकार ने ड्राइव का बहाना बनाया है, उनका मकसद वहां बचे हुए पेड़ों को काटना है। इस बारे में जानकारी देते हुए संजीव सम्मुतुलकर ने बताया कि आरे में सरकार ने कोर्ट को २,७०० पेड़ काटने की जानकारी दी है। लेकिन अब तक सिर्फ २०० पेड़ ही काटे गए हैं। बचे हुए २,५०० पेड़ वे अब काटना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने ड्राइव का बहाना बनाया है। आरे में पेड़ों की छंटाई की आड़ में सरकार और मेट्रो कारशेड निर्माण के लिए कंपनियां बड़े पैमाने पर पेड़ काटेंगी। मेट्रो कारशेड का काम २५ से ३० प्रतिशत पूरा होने का सरकार झूठा दावा कर रही है, जबकि वास्तव में अंदर कोई काम पूरा नहीं हुआ है। अब भी कई निर्णय बदले जा सकते हैं। अभी तक कोई नुकसान नहीं हुआ है लेकिन सरकार अपने घमंड में चूर है। इसलिए आरे के वन्यजीवों को नाश करने में जुटी है। संजीव ने आरोप लगाया कि शिंदे सरकार आरे में मेट्रो कारशेड बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई को समर्थन दे रही है।

सेक्सोलॉजिस्ट समाज की बड़ी सेवा करते हैं: इम्तियाज अली

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म निर्माता इम्तियाज अली, जो आगामी ओटीटी पेशकश डॉ अरोड़ा-गुप्त रोग विषेशज्ञ के शो निर्माता हैं, को सेक्सोलॉजी के पेशे के लिए बहुत सम्मान है और उनका मानना है कि चिकित्सा विज्ञान के इस क्षेत्र में काम कर रहे डॉक्टर समाजकी बहुत बड़ी सेवा कर रहे हैं। डॉ अरोड़ा-गुप्त रोग विषेशज्ञ एक सेक्सोलॉजिस्ट के अपने नाममात्र चरित्र की कहानी कहता है, जो अपने पेशे में शामिल नैतिक आचार संहिता को बनाए रखते हुए अपने रोगियों के साथ अत्यंत ईमानदारी के साथ व्यवहार करता है। सीरीज में मुख्य किरदार कुमुद मिश्रा द्वारा चित्रित किया गया है।

वास्तविक स्थिति बताई: पवार के खिलाफ टिप्पणी पर केसरकर ने जताया खेद

मुंबई। शिवसेना के शिंदे गुट के विधायक दीपक केसरकर ने शिवसेना तोड़ने लेकर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के खिलाफ लगाए आरोपों पर खेद प्रकट किया है। शुक्रवार को केसरकर ने कहा कि मैंने पवार के खिलाफ कोई निजी टिप्पणी नहीं की थी। मैंने राकांपा के संबंध में वास्तविक स्थिति को बताई थी। मगर यदि मेरे बयान से कोई आहत हुआ तो मैं उसके लिए सार्वजनिक रूप से खेद प्रकट करता हूं। केसरकर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के दोनों बेटे निलेश और नितेश राणे मेरे खिलाफ क्या टिप्पणी करते हैं। इसको मैं संज्ञान में नहीं लेता हूं। मुझे उनके बेटों के बारे में कुछ नहीं कहना है। इसके पहले केसरकर ने पवार पर शिवसेना के तत्कालीन नेता नारायण राणे, छगन भुजबल और राज ठाकरे को तोड़ने का आरोप लगाया था।

उच्च शैक्षिक संस्थानों की ओवरऑल श्रेणी में महाराष्ट्र का देश में दूसरा स्थान

देश के उच्च शैक्षिक संस्थानों की रैंकिंग शुक्रवार को जारी हुई। शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी हुई सर्वश्रेष्ठ 100 संस्थानों की सूची में 12 शैक्षिक संस्थानों के समावेश के साथ महाराष्ट्र ने देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। टॉप टेन की सूची में मुंबई आईआईटी तीसरे स्थान पर है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस रैंकिंग को इंडिया हैबिटेट सेंटर में जारी किया जहां विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष एम जगदीश कुमार, उच्च शिक्षा सचिव संजय मूर्ति और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आरबीआई दे सकती है झटका... अगले महीने फिर बढ़ेगी रेपो रेट

मुंबई, पिछले आठ वर्षों से अच्छे दिनों की आस लगा रही जनता को केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपाई सरकार नियमित अंतराल पर झटका देती रही है। कोरोना काल में रोजगार की समस्या का सामना कर रहे लोगों के जख्मों पर मोदी सरकार मिर्च मलने का काम कर रही है। पहले पेट्रोल-डीजल फिर सीएनजी-पीएनजी, रसोई गैस एवं बाद में जीएसटी की नई दरें लागू करके महंगाई की आग में तेल डालने का काम केंद्र सरकार ने किया है। इसी दौरान रेपो रेट बढ़ा कर कई बार लोगों के कर्ज का बोझ बढ़ाने वाला रिजर्व बैंक एक बार फिर तैयार हो गया है। भारतीय रिजर्व बैंक एक बार फिर रेपो रेट में बढ़ोतरी का एलान कर सकता है, जिससे ब्याज दरें बढ़ने की संभावना है।

बता दें कि आरबीआई अगले सप्ताह होने वाली एमपीसी मीट में ब्याज दरों में बढ़ोतरी का एलान कर सकती है। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि आरबीआई नीतिगत रेपो दरों में ०.३५ फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकता है। ३ से ५ अगस्त तक होनेवाली मौद्रिक नीति समिति के प्रस्ताव से पहले एक रिपोर्ट में बोफा सिक्योरिटीज ने कहा कि आरबीआई नीतिगत रुख में बदलाव करके 'कैलिब्रेटेड सख्ती' करके ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। आरबीआई ने पिछली दो नीतिगत बैठकों में महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में कुल ०.९० फीसदी की वृद्धि की है। अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी 'बोफा सिक्योरिटीज' की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। बोफा सिक्योरिटीज ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि हम देख रहे हैं कि आरबीआई अपनी मौद्रिक समिति की बैठक में रेपो रेट में ०.३५ फीसदी की बढ़ोतरी करने जा रहा है, जो इसे बढ़ाकर ५.२५ फीसदी कर देगा, जो कि कोरोना महामारी आने से पहले के स्तर से कहीं ज्यादा है। इसमें कहा गया है कि एमपीसी वित्त वर्ष २०२२-२३ में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति और वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृध्दि दर के अनुमान को क्रमश: ६.७ प्रतिशत और ७.२ प्रतिशत पर बरकरार रख सकती है।

तनाव में मुंबईकर! 34 फीसदी हाइपरटेंशन के शिकार

मुंबई, भागदौड़ भरे जीवन के साथ असमय भोजन, अपर्याप्त नींद एवं जंकफूड के अति सेवन जैसी अनेक वजहों से मुंबई सहित अन्य बड़े शहरों में रहनेवाले बहुसंख्य लोग तनावपूर्ण जीवन जी रहे हैं। मुंबई में मनपा द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पाया गया है कि करीब ३४ फीसदी मुंबई की आबादी हाइपरटेंशन से जूझ रही है। यह 'स्टेप' सर्वेक्षण मनपा ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार ५ हजार लोगों पर किया। इस सर्वेक्षण के बाद मनपा ने फैसला लिया है कि मुंबईकरों के तनाव को कम करने के लिए आशा वर्कर्स और सीएचवी स्वास्थ्य सेविकाओं की मदद से घर-घर जाकर ब्लड प्रेशर की जांच कर दवाइयां दी जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि मुंबईकरों के स्वास्थ्य को सुदृढ रखने के लिए मनपा के माध्यम से अनेक उपायों को अमल में लाया जा रहा है। इसमें मुंबईकरों को हाइपरटेंशन से मुक्त करने के लिए मनपा ने महत्वपूर्ण मुहिम की शुरुआत की है। यह जानकारी देते हुए अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संजीव कुमार ने कहा कि इस मुहिम में आशा और सीएचवी स्वास्थ्य सेविकाओं को जरूरी प्रशिक्षण दिए जाएंगे। इनकी मदद से घर-घर जाकर की जानेवाली जांच में ब्लड प्रेशर कम अथवा अधिक पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति को मनपा के अस्पतालों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। इस मुहिम के तहत मरीज पर किए जाने वाले इलाज से क्या परिणाम हुआ है, उसकी भी पुष्टि की जाएगी। आने वाले समय में इस मुहिम में कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर , सर्वाइकल कैंसर , डायबिटीज सहित अन्य बीमारियों को भी शामिल किया जाएगा। इस पत्रकार परिषद में चिकित्सा, शिक्षा व प्रमुख अस्पतालों की निदेशक डॉ. नीलम आंद्राडे, कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंगला गोमारे, स्वास्थ्य उपायुक्त संजय कुराडे आदि उपस्थित थे। आशा वर्कर्स,

स्वास्थ सेविकाओं के माध्यम से मनपा मुंबई में घर-घर स्वास्थ्य जांच, मौसमी बीमारियों की जांच और जनजागरण के कामों को करती है।

उनके द्वारा किए जानेवाले इन कामों की एवज में मानधन दिया जाता है।

सरकार बनने के बाद भी फडणवीस बिन विभाग के मंत्री : जयंत पाटील की आलोचना

मुंबई, राज्य में नई सरकार की स्थापना होकर २७ दिन बीत चुके हैं, बावजूद इसके मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों का बंटवारा लटका हुआ है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दोनों ही सरकार की गाड़ी हांक रहे हैं। मंत्रिमंडल की बैठक ले रहे हैं लेकिन उपमुख्यमंत्री का पद संभालनेवाले देवेंद्र फडणवीस अब भी बिन विभाग के मंत्री के रूप में घूम रहे हैं। अपने करीबियों की नाराजगी दूर करने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार में विलंब किया जा रहा है। भाजपा खेमे में जबरदस्त बेचैनी है। इन शब्दों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटील ने कल शिंदे-फडणवीस सरकार की आलोचना की। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जयंत पाटील ने कहा कि एकनाथ शिंदे गुट के कम से कम ४० विधायकों में मंत्री बनने की होड़ लगी हुई है। दूसरी तरफ भाजपा विधायकों ने भी मंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस के पास जोरदार लॉबिंग शुरू की है। केंद्रीय नेताओं से मतभेद! महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस सरकार की स्थापना हुए करीब १ महीने हो रहा है लेकिन मंत्रिमंडल का विस्तार अभी तक नहीं हुआ है। इस पृष्ठभूमि पर राकांपा विधायक अमोल मिटकरी ने संकेत देते हुए कहा कि पिछली बार देवेंद्र फडणवीस सरकार में जो मंत्री थे, उन्हें इस बार मंत्री पद न दिया जाए, ऐसा अमित शाह या भाजपा हाईकमान ने निर्देश दिया है इसलिए मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद पैदा हो गया

कार्यस्थल में कला: आपको इसकी आवश्यकता क्यों है और इसे कैसे चुनें?

कार्यस्थल में कला का प्रदर्शन कर्मचारी के प्रदर्शन, मनोदशा और शारीरिक कल्याण के साथ-साथ कर्मचारियों और ग्राहकों के बीच पारस्परिक बंधन को बढ़ा सकता है। पिछले 10 वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में किए गए दर्जनों शोध अध्ययनों ने असंख्य तरीकों की पहचान की है - व्यावहारिक से अचेतन तक - कि कार्यस्थल में सोच-समझकर चुनी गई कला को स्थापित करने से कर्मचारी अनुभव और उपलब्धि में सुधार हो सकता है, और सही संवाद करने में मदद मिल सकती है। मेहमानों को संदेश।

कला रास्ता खोजने, संस्कृति और कर्मचारी स्वामित्व के लिए एक उपकरण के रूप में उपयोगी है

कार्यस्थल अक्सर डेस्क, हॉलवे और दरवाजों की भूलभुलैया की तरह महसूस कर सकते हैं। चूँकि हमारा दिमाग यादगार पर्यावरणीय विशेषताओं पर टिका है, कला उपयोगी रूप से एक मील का पत्थर के रूप में कार्य कर सकती है, जिससे लोगों को यह याद रखने में मदद मिलती है कि वे कहाँ हैं। निर्देश देते समय भी यह काम आ सकता है।

कर्मचारी तनाव, स्वास्थ्य और प्रदर्शन में कला की भूमिका

अस्पतालों में इसके सिद्ध पुनर्वास प्रभाव के समान, कार्यस्थल में कला को भी कर्मचारी की भलाई और प्रदर्शन को लाभ पहुंचाने के लिए दिखाया गया है। यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि कार्यालय आसानी से तनाव और तनाव का स्थान बन सकता है, और लंबे समय तक अत्यधिक केंद्रित काम के बाद लोग संज्ञानात्मक रूप से थक जाते हैं। कलाकृति, विशेष रूप से यथार्थवादी प्रकृति के दृश्यों को देखने से श्रमिकों को मानसिक ऊर्जा बहाल करने और तनाव कम करने में मदद मिलती है। अप्रत्याशित रूप से, ये दोनों प्रभाव मस्तिष्क के प्रदर्शन को बढ़ावा देते हैं। कलाकृति में प्रकृति की छवियों को देखने को कार्यस्थलों में क्रोध के निचले स्तर से भी जोड़ा गया है। चार अमेरिकी श्रमिकों में से एक ने लंबे समय तक क्रोध महसूस करने की रिपोर्ट की, जो प्रतिशोधी व्यवहार, पारस्परिक आक्रामकता, खराब कार्य प्रदर्शन, अनुपस्थिति और बढ़े हुए कारोबार जैसे नकारात्मक परिणामों से जुड़ा हुआ है। जो लोग सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक कला से सजाए गए वातावरण में काम करते हैं, वे आमतौर पर कार्य से संबंधित निराशा के जवाब में कम तनाव और क्रोध का अनुभव करते हैं, और इस प्रकार एक अधिक सहयोगी और सुखद कार्यस्थल बनाने में मदद करते हैं।

"सही" कला चुनने का कार्य

कार्यस्थल के लिए सुविचारित कला निर्णय सामग्री, बनावट, पैमाने और स्थिति के विशेष प्रभावों को ध्यान में रखेंगे। प्राकृतिक दुनिया की सकारात्मक-मनोदशा उत्प्रेरण छवियों में अक्सर पर्णपाती पेड़ों, हरे पत्ते, क्षितिज के लिए एक दृश्य, पानी का एक धीरे बहने वाला शरीर, और एक अग्रभूमि क्षेत्र जिसमें दर्शक कदम रख सकते हैं, के साथ घास वाले क्षेत्रों को शामिल करते हैं। सर्वोत्तम प्रभाव के लिए, ये दृश्य थोड़े ऊंचे स्थान से होने चाहिए - जैसे नीचे एक हरी-भरी घाटी में देखना। जब मनुष्यों के चित्रण की बात आती है, तो हमारे सुदूर अतीत की छवियों को जोड़ना - पुरानी पीढ़ियों की कल्पना के रूप में - खुफिया परीक्षणों पर बेहतर प्रदर्शन से जुड़ा हुआ है। कलाकृति जो दिखाती है कि लोगों की देखभाल की जा रही है, हमें प्यार महसूस करने की याद दिलाकर खतरनाक या तनावपूर्ण स्थितियों के लिए मजबूत प्रतिक्रियाओं को कम करती है। मन की यह स्थिति तनावपूर्ण स्थितियों के दौरान अधिक प्रभावी कामकाज को बढ़ावा देती है, और बाद में सुखदायक मानसिक संसाधनों की अधिक सक्रियता को बढ़ावा देती है।

मानसून में इयर इंफेक्शन का बढ़ जाता है खतरा, जानें वजह, लक्षण और बचाव के उपाय

मानसून में बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। बारिश के मौसम में कई तरह के संक्रमण शरीर में आसानी से प्रवेश कर जाते हैं, जिसके कारण सर्दी, खांसी और जुकाम होना आम बात है। लेकिन बरसात के मौसम में कुछ लापरवाहियों के कारण इंफेक्शन का खतरा अधिक होता है। फंगल इंफेक्शन और सीजनल फ्लू के अलावा त्वचा, आंख और कान भी प्रभावित होते हैं। इस मौसम में अक्सर कान का इंफेक्शन अधिकतर लोगों को परेशान करता है। बारिश के पानी के कारण कानों में तेज दर्द, कान सुन्न होना या कान संबंधी अन्य किसी समस्या को महसूस करते हैं। इसके साथ ही कान में खुजली भी हो सकती है। ऐसे में अगर बारिश के मौसम में अगर आप भी कान की समस्या से परेशान हैं तो हो सकता है कि आप कान का इंफेक्शन हुआ हो। इयर इंफेक्शन के लक्षण जानकर मानसून में कान की समस्या से बचने के लिए उपाय अपना सकते हैं। चलिए जानते हैं कान के इंफेक्शन के लक्षण और बचाव के उपाय।

कानों में इंफेक्शन की वजह

विशेषज्ञों के मुताबिक, बारिश के मौसम में आंख, कान और त्वचा से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसका कारण ह्यूमिडिटी होती है, जो कि फंगल इंफेक्शन को उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया के लिए प्रजनन स्थल हो सकती है। कान में गंदगी और ईयरबड्स के निशान भी कान के संक्रमण की वजह बन सकते हैं।

कानों के इंफेक्शन के लक्षण

कानों में दर्द होना।
कान के अंदर खुजली होना।
कान का बाहरी हिस्सा लाल होना।
सही से आवाज सुनाई न दे पाना।
कानों में भारीपन महसूस होना।
कान से सफेद या पीले रंग का पस निकलना।

कान के संक्रमण की समस्या से बचने के टिप्स

मानसून में कानों में आने वाली नमी से बचने के लिए कान को हमेशा साफ और सूखा रखें।
कान को पोंछने के लिए नरम कॉटन के स्वच्छ कपड़े का उपयोग करें।.
हमेशा ईयरफोन या ईयरबड्स का इस्तेमाल न करें।
दूसरे के इस्तेमाल किए गए ईयरफोन का उपयोग न करें।
ईयरफोन का समय समय पर डिसइनफेक्ट करें, ताकि संक्रमण का जोखिम कम हो।
गले में इंफेक्शन या खराश के कारण भी कानों का संक्रमण हो सकता है। इसलिए गले का ख्याल रखें।

डायबिटीज रोगियों में हेपेटाइटिस का जोखिम क्यों अधिक होता है

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, दुनियाभर में लगभग 42.2 करोड़ लोग डायबिटीज की गंभीर स्वास्थ्य समस्या के शिकार हैं। हर साल मधुमेह रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। ये चिंताजनक है कि जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या होती है, उनमें अन्य कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं का जोखिम भी बढ़ जाता है। डायबिटीज मरीजों को हेपेटाइटिस का खतरा भी हो सकता है। हेपेटाइटिस भी बहुत ज्यादा तेजी से फैल रही बीमारी है, जिसमें लिवर में सूजन आ जाती है। भारत में डायबिटीज और हेपेटाइटिस दोनों ही रोग एक बड़ी आबादी को प्रभावित कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ की साल 2017 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस बी से संक्रमितों की संख्या लगभग चार करोड़ है, साथ ही हेपेटाइटिस सी से लगभग 1.2 करोड़ लोग प्रभावित हैं। हालांकि गंभीरता तब बढ़ जाती है, जब हेपेटाइटिस से संक्रमित मरीज हृदय रोग या डायबिटीज जैसी बीमारी से ग्रस्त हो जाता है।

आंकड़ों के मुताबिक, दुनियाभर में क्रोनिक एचसीवी (हेपेटाइटिस सी वायरस) से पीड़ित एक तिहाई लोगों को टाइप 2 डायबिटीज है। वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक इससे हेपेटाइटिस सी और अधिक गंभीर हो सकता है। ये चिंताजनक है कि हेपेटाइटिस सी के उपचार के लिए उपयोग की जाने वाली थेरेपी से डायबिटीज टाइप 1 और टाइप 2 दोनों होने की संभावना रहती है। जो लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं, उन्हें चिंता रहती है कि हेपेटाइटिस सी होने पर उनकी डायबिटीज की समस्या गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञ से जानिए कि डायबिटीज के मरीजों को हेपेटाइटिस का खतरा कितना रहता है? डायबिटीज के रोगी हेपेटाइटिस से बचने के लिए क्या करें? और हेपेटाइटिस व डायबिटीज के इलाज के लिए क्या किया जा सकता है? डायबिटीज के मरीजों में हेपेटाइटिस की गंभीरता पर लखनऊ स्थित डा॰ अभिषेक अरुण का कहना है कि डायबिटीज के मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कम होती है। ऐसे रोगी किसी भी तरह के वायरल इंफेक्शन और बैक्टीरियल इंफेक्शन की चपेट में आसानी से आ सकते हैं। अगर मरीज लंबे समय से डायबिटीज से पीड़ित है, तो उनमें गुर्दे का विकार होना स्वाभाविक है। ऐसे मरीज कई बार डायलिसिस पर होते हैं, जिन्हें डायबिटीज और हेपेटाइटिस दोनों होता है।

हेपेटाइटिस क्या है? जानें इसके प्रकार, लक्षण और कारण

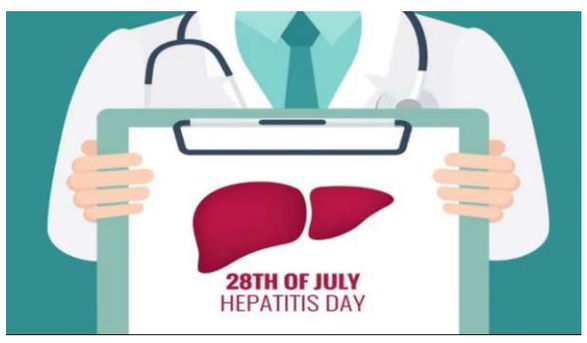

World Hepatitis Day 2022: 28 जुलाई को हर साल दुनियाभर में विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है। इसे मनाने की वजह लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक करना है, ताकि हेपेटाइटिस की शिकायत से बचा जा सके। हेपेटाइटिस लिवर से जुड़ी बीमारी है। लिवर हमारे शरीर का एक जरूरी अंग है, जो खून में से टॉक्सिन्स को साफ करने के साथ ही भोजन पचाने की प्रक्रिया में मदद करता है। हालांकि हेपेटाइटिस होने पर संक्रमण के कारण लीवर में सूजन आ जाती है। इसके कारण लीवर पर असर पड़ता है। ये गंभीर और जानलेवा बीमारी है, जिसका इलाज भी आम मरीजों के लिए काफी महंगा होता है। ऐसे में हेपेटाइटिस होने के कारणों को जानकर बचाव के उपाय कर सकते हैं। वहीं हेपेटाइटिस के लक्षणों के बारे में भी जान लें ताकि समय रहते सही इलाज अपना सकें। चलिए जानते हैं क्या होता है हेपेटाइटिस, इसके प्रकार और लक्षण।

हेपेटाइटिस क्या है?

हेपेटाइटिस लिवर से जुड़ी बीमारी है, जो संक्रमण के कारण होती है। इस बीमारी में लिवर में सूजन आ जाती है। हेपेटाइटिस एक महामारी बनती जा रही है, जिसके कारण हर साल मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है। हेपेटाइटिस के सभी प्रकारों को गंभीरता से लेना चाहिए। इस बीमारी को लेकर जागरूकता पैदा करके और जन्म के बाद शिशु को वैक्सीन देकर हेपेटाइटिस के खतरे से बचाया जा सकता है।

हेपेटाइटिस के प्रकार

हेपेटाइटिस वायरस के मुताबिक पांच प्रकार के होते हैं। इसमें हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी, ई शामिल है। पांचों प्रकार के हेपेटाइटिस खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हेपेटाइटिस ए से हर साल लगभग 1.4 मिलियन लोग ग्रस्त हो रहे हैं।

गंभीरता के आधार पर भी हेपेटाइटिस को पहचाना जाता है। एक्यूट हेपेटाइटिस में अचानक लीवर में सूजन आती है, जिसके लक्षण 6 महीने तक रहते हैं। इलाज होने पर रोग धीरे धीरे ठीक होने लगता है। एक्यूट हेपेटाइटिस आमतौर पर एचएवी इंफेक्शन के कारण होता है। दूसरा क्रॉनिक हेपेटाइटिस है, जिसमें एचइवी इंफेक्शन रोगी के इम्यून सिस्टम को बुरी तरह प्रभावित करता है। लीवर कैंसर और लिवर की बीमारी के कारण ज्यादा लोगों की मौत हो रही है।

हेपेटाइटिस के कारण

वायरस इन्फेक्शन से होने वाली ये बीमारी कई कारणों से हो सकती है। हेपेटाइटिस ए दूषित खाने और दूषित पानी के सेवन से हो सकता है।
वहीं संक्रमित खून के ट्रांसफ्यूजन और सिमेन व दूसरे फ्लूइड के एक्सपोजर के कारण भी हेपेटाइटिस बी हो सकता है।
खून और संक्रमित इंजेक्शन के इस्तेमाल से हेपेटाइटिस सी की शिकायत हो सकती है।
एचडीवी वायरस के कारण हेपेटाइटिस डी से ग्रसित हो सकते हैं। जो लोग पहले से एचबीवी वायरस से संक्रमित होते हैं,
वह इस वायरस से भी संक्रमित हो सकते हैं। हालांकि एचडीवी और एचबीवी दोनो ही वायरस के एक साथ एक ही रोगी में होने से स्थिति गंभीर हो जाती है।
हेपेटाइटिस ई एचईवी वायरस के कारण होता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: स्वामी मंगल का सूर्य की राशि में गोचर आपके मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धिकारक रहेगा। लंबे समय से तरक्की की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो वह जल्द ही मिलने वाली है। धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। माता-पिता के सहयोग से बड़ा काम पूरा करने में सफल होंगे। आर्थिक तंगी का हल निकलेगा।

वृषभ: राशि स्वामी का पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में गोचर शुभ रहेगा। आर्थिक परेशानी दूर होगी। आय के साधन प्राप्त होंगे। पुराने कार्यों में उन्नति होगी। पारिवारिक जीवन की कठिनाइयां दूर होंगी। नए रोजगार की तलाश में है तो सप्ताहांत में मिल जाएगा। प्रेम संबंधों के मामलों में लकी साबित होंगे।

मिथुन: सप्ताह के पहले दिन 26 जुलाई को राशि स्वामी बुध का प्रवेश पुष्य नक्षत्र में होगा। आपके सुख-साधनों, आय, सम्मान में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट दूर होंगे। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। अपने प्रयासों से आर्थिक परेशानियों का अंत करने में सफल होंगे। नए कार्य प्रारंभ करने का यह सही समय है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी दूर होगी।

कर्क : राशि स्वामी चंद्र का गोचर जलचर राशि मीन में होने से सर्दी-जुकाम और शीत संबंधी रोग होने की आशंका है, इसलिए बाहरी खानपान और ठंडी चीजों के सेवन से बचें। यह गोचर आर्थिक स्थिति के लिए शुभ है। धन का आगमन एक से ज्यादा जगह से होगा। नए कारोबार की रूपरेखा बनेगी। इस सप्ताह आय और व्यय का संतुलन बनाकर रखें।

सिंह : राशि स्वामी का गोचर चंद्र की राशि में होने से मानसिक उद्वेग आते रहेंगे। किसी काम में कभी-कभी मन नहीं लगेगा। शारीरिक स्वस्थता रहेगी, लेकिन आलस्य हावी रहने से काम अटकेंगे। आर्थिक परेशानियां कम होंगी किंतु आय के स्रोत बढ़ाने के लिए प्रयास करने होंगे। नौकरीपेशा और कारोबारियों को काम पर फोकस करना होगा।

कन्या : सप्ताह शुभ है। कार्यों को गति मिलेगी। जिन कार्यों को पूरा करने के लिए आप लंबे समय से प्रयासरत हैं, वे जल्द ही पूरे होने वाले हैं। कोई बड़ा शुभ समाचार प्राप्त होगा। नया बिजनेस प्रारंभ करने के लिए वक्त सही है। यदि पूर्व से कोई योजना बना रखी है तो उस पर अमल करने का समय आ गया है।

तुला : राशि स्वामी शुक्र का शुभ स्थानों में गोचर लाभदायक रहेगा। आय के साधनों में बढ़ोतरी होगी। कार्य का विस्तार करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के सहयोग से बड़ी परेशानियों का अंत होगा। वैवाहिक जीवन में चल रहे मनमुटाव दूर होंगे और जीवनसाथी के साथ फिर से एक मधुर रिश्ता कायम करने में सफल होंगे।

वृश्चिक : लंबे समय से चल रही मानसिक उलझनें दूर हो जाएंगी। किसी बड़ी परेशानी का हल परिवार के अनुभवी और वरिष्ठ लोगों की सलाह से निकलेगा। मानसिक झंझावात दूर होंगे और आगे की सही राह दिखाई पड़ेगी। नौकरीपेशा की बात करें तो अभी समय ठीक नहीं है थोड़ा सब्र रखें।

धनु : दूसरों के साथ आपका संतुलित व्यवहार तरक्की की नींव रखेगा। यदि क्रोध, आवेश और जल्दबाजी में कोई काम करेंगे तो नुकसान आपको ही हो सकता है। कोई काम पूरा न हो तो सब्र रखें, सब वक्त आने पर सही हो जाएगा। संतानपक्ष के कार्य उत्तम तरीके से होंगे। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। इस राशि के हृदयरोगी विशेष सावधानी रखें।

मकर : यहां स्वराशि का शनि आपके लिए लाभदायक है। सप्ताह में कोई ऐसा कार्य पूरा होने जा रहा है जिसकी प्रतीक्षा आप लंबे समय से कर रहे थे। नया वाहन, नया घर सबकुछ हासिल करने की स्थिति बन रही है। परिवार और मित्रों का पूरा सहयोग प्राप्त रहेगा। किसी मनपसंद व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कुंभ : स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं और यह आपके लिए शुभ होगा। नए घर में शिफ्ट हो सकते हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे है। कारोबारियों के कार्य में वर्तमान कार्य के साथ कोई नया काम भी जुड़ेगा। मानसिक और शारीरिक रूप से यह सप्ताह बेहतर रहेगा। संयमित जीवन जीने से संकटों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मीन : सप्ताह बेहतर और तरक्की देने वाला है। जो कार्य सोच रखे हैं अब उन्हें करने का वक्त आ गया है। आलस्य न करें, योजना के अनुसार काम करें। नौकरीपेशा और कारोबारियों को कार्य विस्तार का मौका मिलेगा। कार्य में बदलाव करना चाहते हैं तो अवश्य करें, वह भी शुभ होगा। मानसिक शांति प्राप्त होगी।

चुटकुले

सोनू- डॉक्टर के पास गया...
डॉक्टर- बताओ क्या दिक्कत है..
सोनू- जब में सोता हूं तो रोज कुत्ते मेरे सपने में फुटबॉल खेलते हैं
डॉक्टर- इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है...
रात को ये गोली खाकर सो जाना...
सोनू- नहीं, ये गोली मैं कल खाउंगा, क्योंकि आज फाइनल है

बीवी ने सुबह-सुबह पति से कहा -
मेरा आधा सर दुख रहा है
पति ने गलती से बोल दिया कि
जितना है उतना ही तो दुखेगा
तब से पति का पूरा शरीर दुख रहा है

ग्लैमरस गर्ल सिमरन सिंह सुमीन भट्ट के म्युजिक वीडियो में जल्द आएंगी नजर

बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट को अपनी फेवरेट ऐक्ट्रेस मानने वाली नवोदित अभिनेत्री सिमरन सिंह किसी फिल्मी बैकग्राउंड से सम्बंध नहीं रखतीं, मगर अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर फ़िल्म इंडस्ट्री में उन्होंने कदम रख दिया है। फिमी प्रोडक्शन के साथ उन्होंने कैटलॉग और प्रिंट शूट किया है और इसी प्रोडक्शन हाउस के अपकमिंग अल्बम में मेन लीड के रूप में नजर आने वाली हैं।

दिल्ली की रहने वाली सिमरन सिंह का मायानगरी तक का सफर काफी दिलचस्प और संघर्षो भरा रहा है मगर वह इसे एक खूबसूरत यात्रा मानती हैं। वह सुमीन भट्ट के एक अपकमिंग म्युज़िक वीडियो में दिखाई देंगी, जिसे रियाज़ Meer ने डायरेक्ट किया है।

अल्बम में काम करने को लेकर सिमरन सिंह बेहद उत्साहित हैं। उनका मानना है कि म्युज़िक वीडियो में अभिनय करना काफी बेहतर होता है, क्योंकि इससे आर्टिस्ट की प्रोफाइल अपडेट होती रहती है और काफी अच्छा अनुभव भी मिलता है। वह सुमीन भट्ट के फिमी प्रोडक्शन के साथ काम करके काफी खुश हैं क्योंकि उन्हें बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस मिला। और वह आगे भी इस प्रोडक्शन हाउस के साथ काम करना चाहेंगी। सिमरन सिंह को एक्टिंग का शौक बचपन से ही है। जब वह स्कूल की शिक्षा हासिल कर रही थी तो वहां होने वाले हर फंक्शन में हिस्सा लेती थीं, चाहे वह डांस का कोई कम्पटीशन हो या कोई प्ले हो। स्टेज के उसी लगाव ने उनमें फिल्मों के प्रति रुचि जगाई। उनकी फेवरेट ऐक्ट्रेस आलिया भट्ट हैं और वह उनकी ही तरह भिन्न भिन्न प्रकार के रोल पर्दे पर उकेरना चाहती हैं। उनका ड्रीम रोल क्या है जो आगे करना चाहेंगी, ये पूछने पर सिमरन सिंह तुरंत कहती हैं "मैं एक महिला प्रधान फ़िल्म करना चाहती हूं। किसी स्ट्रॉन्ग वीमेन की बॉयोपिक करना मुझे बेहद पसंद है।"

रेलवे जीआईपीआर (GIPR) लोगो का ट्रेड मार्क रजिस्टर्ड

संवाददाता। मुंबई भारत में रेलवे ने 1853 में इतिहास में एक स्वर्णिम पृष्ठ लिखा था जब उपमहाद्वीप की पहली ट्रेन ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे (जीआईपीआर) द्वारा बोरी बंदर (अब छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई) और तन्ना (अब ठाणे) से 33 किमी की दूरी पर चली थी। धीरे-धीरे रेलवे ने विभिन्न रेलवे कंपनियों के माध्यम से अपना नेटवर्क फैलाया। प्रत्येक प्रणाली को अद्वितीय लोगो के साथ पहचाना गया था।ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे को 1 अगस्त, 1849 को ब्रिटिश संसद के एक अधिनियम द्वारा शामिल किया गया था। इसकी शेयर पूंजी 50,000 पाउंड थी। 17 अगस्त, 1849 को इसने ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ 56 किमी लंबी एक प्रायोगिक लाइन

के निर्माण और परिचालन के लिए एक औपचारिक अनुबंध किया, जो बॉम्बे को खानदेश और बरार से जोड़ने वाली ट्रंक लाइन का हिस्सा बनाने के लिए और आम तौर पर अन्य प्रेसीडेंसी के साथ था। भारत 1 जुलाई, 1925 को इसका प्रबंधन सरकार ने अपने हाथ में ले लिया।मध्य रेल, जीआईपी रेलवे के उत्तराधिकारी का गठन दिनांक 5.11.1951 को निजाम राज्य, सिंधिया राज्य और धौलपुर राज्य रेलवे को एकीकृत करके किया गया था।रेलवे की अमूर्त विरासत संपत्तियों की रक्षा के लिए और भारत में रेलवे जितना पुराना लोगो को संरक्षित करने के लिए, जीआईपीआर का लोगो ट्रेडमार्क रजिस्ट्री से पंजीकृत है। प्रमाणपत्र दिनांक 23.07.2022 को श्रेणी 39 में परिवहन, माल और भंडारण और यात्रा व्यवस्था के तहत पंजीकृत है।किसी भी व्यक्ति या संगठन को इस GIPR लोगो के उपयोग के लिए मध्य रेल से अनुमति लेनी होगी।

आर्यन मिश्रा द्वारा निर्मित " अटल सम्मान " का टाइटल सांग चीफ गेस्ट सोमा घोष, आरती नागपाल, दिलीप सेन, अरुण बक्षी, लता हया और सत्यम उपाध्याय ने किया लांच

संगीतकार दिलीप सेन, गीतकार लता हया, स्पेशल गेस्ट बीएन तिवारी, एक्टर अरुण बख्शी, सिंगर सत्यम उपाध्याय भी रहे उपस्थित. आर्यन एम फ़िल्म प्रोडक्शन्स के डायरेक्टर वी के मिश्रा (आर्यन) द्वारा निर्मित "अटल सम्मान २०२२" का टाइटल सांग 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में मुम्बई के स्टूडियो वन में भव्य रूप से लांच किया गया। इस कार्यक्रम की चीफ गेस्ट पद्मश्री सोमा घोष थीं जबकि स्पेशल गेस्ट बीएन तिवारी (अध्यक्ष एफडब्लूआईसीई) थे। सेलेब्रिटी गेस्ट आरती नागपाल, अरुण बख्शी, राजू टांक सिंगर उपस्थित थे। इस गाने के संगीतकार दिलीप सेन, गीतकार लता हया और सिंगर सत्यम उपाध्याय भी यहां उपस्थित रहे। इस अवसर पर सत्यम उपाध्याय की माँ डॉ सविता उपाध्याय जो कि शिक्षाविद ,साहित्यकार व समाजसेविका हैं उपस्थित रहीं।

आपको बता दें कि आर्यन मिश्रा अगले माह अटल सम्मान २०२२ पुरस्कार समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं। इससे पहले वह श्री नारी सम्मान का आयोजन कर चुके हैं। वी के मिश्रा आर्यन ने बताया कि मुम्बई में पहली बार हमने श्री नारी शक्ति सम्मान अवार्ड शो किया था जो बेहद कामयाब रहा। अब हम अगस्त में अटल सम्मान 2022 करवाने जा रहे हैं, इसका टाइटल सांग बड़ी खूबसूरती से दिलीप सेन ने कम्पोज़ किया है जबकि लता हया ने इसे महसूस करके लिखा है। सत्यम उपाध्याय ने इस सांग को बड़ी शिद्दत से अपनी मधुर आवाज में गाया है। अटल सम्मान के टाइटल सांग को यहां सुनाया गया जिसे सभी ने खूब पसंद किया। बी एन तिवारी ने भी आर्यन मिश्रा को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और इस गीत को बेहद प्रेरणादायक बताया। पद्मश्री से सम्मानित सोमा घोष ने इस खूबसूरत गीत के लांच के अवसर पर कहा कि आर्यन मिश्रा ने बेहद सुंदर कांसेप्ट के साथ यह अटल सम्मान का टाइटल गीत प्रोड्यूस और डायरेक्ट किया है। संगीतकार दिलीप सेन ने बखूबी संगीत से सजाया है लता हया की लेखनी में कमाल नजर आता है और इस छोटी सी उम्र में गुरुग्राम से पधारे सत्यम उपाध्याय ने बेमिसाल रूप से गाया है।

बी एन तिवारी ने बताया कि यह आर्यन मिश्रा का सौभाग्य है कि सोमा घोष जी आज यहां आईं। इनके आशीर्वाद से सांग लांच हुआ है यह बड़ी बात है।

सेलेब्रिटी गेस्ट ऐक्ट्रेस आरती नागपाल ने इस सांग की खूब तारीफ की और आर्यन मिश्रा के जज़्बे को सलाम किया। उन्होंने कहा कि यह देशभक्ति का बड़ा हौसला बढ़ाने वाला गाना है जो १५ अगस्त और २६ जनवरी के अवसर पर भी खूब बजाया जाएगा।

अरुण बख्शी ने भी आर्यन मिश्रा के इस सांग की सराहना की और सत्यम उपाध्याय की आवाज को मीडिया व वहां उपस्थित सभी गणमान्य जनों ने पसन्द किया।

दिलीप सेन ने आर्यन मिश्रा का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि यह गाना काफी स्पेशल है जिसे लता हया ने प्रभावी रूप से लिखा है। सत्यम उपाध्याय ने इस चैलेंजिंग सांग को बखूबी निभाया है व मीडिया से रूबरू होते हुए सत्यम ने कहा कि अटल जी जैसी महान हस्ती के लिए गीत गाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

अटल सम्मान शून्य से शिखर तक २०२२ का आयोजन अगले महीने होने जा रहा है।

इस कार्यक्रम के पीआर की जिम्मेदारी रमाकांत मुंडे (मुंडे मीडिया) ने निभाई।

हाईकोर्ट का कांग्रेस नेताओं को निर्देश- स्मृति ईरानी की बेटी से जुड़ी पोस्ट तुरंत डिलीट करें

गोवा बार विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है। मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेटा डिसूजा को समन जारी कर दिया है। साथ ही हाईकोर्ट ने तीनों नेताओं को सभी सोशल प्लेटफॉर्म से संबधित पोस्ट हटाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्मृति ईरानी द्वारा दायर मामले पर जवाब देने के लिए भी नोटिस जारी किया है। वहीं, कांग्रेस नेता ने ट्वीट करते हुए लिखा- हम अदालत के सामने मामले से संबंधित तत्थ पेश करने के लिए तैयार हैं। स्मृति ईरानी की चुनौती को स्वीकार भी करेंगे।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेताओं-जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेटा डिसूजा को रविवार को कानूनी नोटिस भेजकर उनकी बेटी पर लगाए आरोपों के लिए मांफी मांगने के लिए कहा था। कांग्रेस नेताओं के आरोप लगाने के एक दिन बाद ही स्मृति ईरानी ने यह कदम उठाया था। अब दिल्ली होईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए समन भेज दिया है।

क्या है मामला

दरअसल, कांग्रेस नेताओं-जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेटा डिसूजा ने स्मृति ईरानी की 18 वर्षीय बेटी जोइश ईरानी पर गोवा में अवैध रूप से बार चलाने का आरोप लगाया था।

अर्पिता के घर से मिले 53 करोड़ रुपये का क्या होगा, जानें छापेमारी में मिली रकम का ED क्या करती है?

पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री रहे पार्थ चटर्जी की सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के घर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी सुर्खियों में है। अब तक 53 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश और पांच किलो से ज्यादा सोना बरामद हो चुका है। कयास लगाए जा रहे हैं कि कैश का आंकड़ा 100 करोड़ तक जा सकता है। कमरों में फर्श पर पड़ी नोटों की गड्डियां देख हर कोई हैरान है। जो इसे देख रहा, वो यही सवाल कर रहा कि आखिर अब इन नोटों की गड्डियों का क्या होगा?

पहले जानिए वह घोटाला, जिसमें फंसे पार्थ चटर्जी-अर्पिता मुखर्जी पार्थ चटर्जी और अर्पिता मुखर्जी जिस मामले में फंसे हैं उससे एसएससी घोटाला या शिक्षा भर्ती घोटाला भी कहा जा रहा है। 2016 में पश्चिम बंगाल सरकार ने स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए 13,000 ग्रुप-डी कर्मचारियों की भर्ती की अधिसूचना जारी की। 2019 में इन नियुक्तियों को करने वाले पैनल की समय सीमा समाप्त हो गई। लेकिन इसके बावजूद, पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) द्वारा कथित तौर पर कम से कम 25 व्यक्तियों को नियुक्त कर दिया गया।

नवंबर 2021 में दायर एक याचिका में इन 'अवैध' नियुक्तियों को व्यवस्था में भ्रष्टाचार बताया गया। इसके बाद कलकत्ता हाईकोर्ट ने एसएससी और पश्चिम बंगाल बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) से हलफनामे मांगे। इन दोनों संस्थाओं ने अदालत में एक-दूसरे से उलट तथ्य पेश किए।

क्या थे दोनों संस्थाओं के हलफनामे में?

एसएससी ने अपने हलफनामे में कहा कि उसने अपनी ओर से किसी भी नियुक्ति के लिए चिट्ठी नहीं जारी की, जबकि डब्ल्यूबीएसएसई ने कहा कि उसे एक पेन ड्राइव में डेटा मिला था। इसी के तहत इन लोगों की नियमानुसार नियुक्ति हुई थी।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने यह भी दावा किया कि एसएससी पैनल का कार्यकाल खत्म होने के बाद बंगाल बोर्ड में 25 नहीं बल्कि 500 से ज्यादा लोगों को नियुक्त कर दिया गया। इनमें से ज्यादातर अब राज्य सरकार से वेतन ले रहे हैं। मामला अभी भी कोर्ट में चल रहा है। कैसे हुई ईडी की एंट्री, निशाने पर क्यों आए पार्थ और अर्पिता?ईडी ने इस मामले म मई में जांच शुरू कर दी। 22 जुलाई को ही एजेंसी ने पार्थ चटर्जी के ठिकानों समेत 14 जगहों पर छापेमारी की। पार्थ चटर्जी के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ईडी को अर्पिता मुखर्जी की प्रॉपर्टी के दस्तावेज मिले थे। इसके बाद ईडी ने जांच का दायरा बढ़ाया और अभिनेत्री अर्पिता मुखर्जी के फ्लैट पर छापेमारी की। एजेंसी को अर्पिता के फ्लैट से करीब 21 करोड़ रुपए कैश, 60 लाख की विदेशी करेंसी, 20 फोन और अन्य दस्तावेज मिले। इसके बाद ईडी ने बुधवार को अर्पिता के दूसरे ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी को अर्पिता के घर से 27.9 करोड़ रुपए कैश और सोना मिला है। इस तरह से कुल 53 करोड़ से ज्यादा की रकम मिल चुकी है।

अब जानिए ईडी के पास क्या-क्या अधिकार है?

ये समझने के लिए हमने सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता चंद्र प्रकाश पांडेय से संपर्क किया। उन्होंने कहा, 'ईडी को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत संपत्ति जब्त करने का अधिकार है। जांच एजेंसी जिस कानून के तहत काम करती है, उसी के तहत उसे छापा मारने, जब्त करने और जब्त सामान को मालखाने या भंडारघर में जमा करने का अधिकार होता है।' उन्होंने बताया, 'छापे में कई चीजें बरामद हो सकती हैं। इनमें दस्तावेज, कैश और गहने व अन्य कीमती सामान मिल सकते हैं। छापेमारी में जब्त की गई चीजों का पंचनामा बनाया जाता है। इसके बाद पंचनामे पर दो स्वतंत्र गवाहों के हस्ताक्षर होते हैं। जिस व्यक्ति का सामान जब्त होता है, उसके भी हस्ताक्षर होते हैं। पंचनामा बनने के बाद जब्ती का सामान केस प्रॉपर्टी बन जाता है।

जब्त किए गए कैश, गहने और संपत्ति का क्या करती है ईडी?

किसी के पास से जब्त की गई रकम को ईडी अपने साथ ले जाती है। उसमें से जो रकम सबूत के तौर पर कोर्ट में पेश करने होते हैं, उन्हें सील बंद लिफाफे में रख दिया जाता है। बाकी रकम केंद्र सरकार के खाते में जमा कर दी जाती है।

कोर्ट का फैसला आने के बाद तय होता है कि उस रकम का क्या होगा? कोर्ट में जांच एजेंसी को साबित करना होता है कि जब्त किया गया कैश या अन्य संपत्ति गैर कानूनी या गलत ढंग से हासिल की गई है। अगर एजेंसी ये साबित नहीं कर पाती है तो उसे जब्त की गई पूरी रकम लौटानी होती है। वहीं, अगर एजेंसी आरोप साबित कर देती है तो सरकार पूरी रकम अपने पास रख सकती है या कुछ जुर्माना लगाकर उसे वापस कर सकती है।

इसी तरह ईडी के पास प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के सेक्शन 5 (1) के तहत संपत्ति को अटैच करने का अधिकार है। अदालत में संपत्ति की जब्ती साबित होने पर इस संपत्ति को पीएमएलए के सेक्शन 9 के तहत सरकार कब्जे में ले लेती है। जब ईडी किसी की प्रॉपर्टी को अटैच करती है, तो उस पर बोर्ड लगा दिया जाता है, जिस पर लिखा होता है इस संपत्ति की खरीद-बिक्री या इसका इस्तेमाल नहीं हो सकता है। कई मामलों में घर और कॉमर्शियल प्रॉपर्टी को अटैच किए जाने पर उनके इस्तेमाल को लेकर छूट भी है। पीएमएलए के तहत ईडी अधिकतम 180 दिन यानी 6 महीने के लिए किसी संपत्ति को अटैच कर सकती है। अगर तब तक ईडी संपत्ति अटैच करने को अदालत में वैध नहीं ठहरा पाती है तो 180 दिन बाद संपत्ति खुद ही रिलीज हो जाएगी, यानी वो अटैच नहीं रह जाएगी।

मानद प्रोफेसर की उपाधि से निम्स यूनिवर्सिटी ने अभिषेक दुधैया को सम्मानित किया

मुंबई। प्रसिद्ध फिल्म डायरेक्टर, प्रोड्यूसर और राइटर अभिषेक दुधैया जोकि अजय देवगन, संजय दत्त, सोनाक्षी सिन्हा को लेकर 'भुज द प्राइड ऑफ इंडिया' का निर्माण, लेखन व निर्देशन कर चुके है और अब अभिषेक दूधैया, परमवीर चक्र विजेता बाना सिंघ की बायोपिक बनाने जा रहे है। उनको राजस्थान के जयपुर की निम्स यूनिवर्सिटी ने मानद प्रोफेसर की उपाधि से सम्मानित किया। निम्स समूह के चेयरमैन व निम्स यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो डॉ बी एस तोमर ने बताया कि निम्स यूनिवर्सिटी कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए अभिषेक दुधैया को मानद प्रोफेसर की उपाधि से सम्मानित करके निम्स समूह गर्व महसूस कर रहा है। जिसके लिए अभिषेक दुधैया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शिवसेनापक्षप्रमुख के जन्मदिन पर हर-हर महादेव से गूंजा तपेश्वर मंदिर

मुंबई, शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर आरे कॉलोनी स्थित प्राचीन स्वयंभू तपेश्वर महादेव मंदिर परिसर हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा शिवसेना के संगठक डॉ. द्विगेश यादव द्वारा शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर आयोजित महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया। शिवसेना विधायक सुनील प्रभु कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। घंटों तक चले महारुद्राभिषेक में लगातार पंडितों का मंत्रोच्चार गूंजता रहा। उस दौरान सुनील प्रभु ने बताया कि शत-प्रतिशत शिवसैनिक मातोश्री के साथ दिल से जुड़े हुए हैं। हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख श्री बालासाहेब ठाकरे हमारे आराध्य देव हैं।

SPORTS खेल जगत

भारत ने किया विंडीज का क्लीन स्वीप

वर्षाबाधित तीसरे वनडे में कैरिबियाई धरती पर भारत की सबसे बड़ी जीत

पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)। भारत ने शुभमन गिल (98 नाबाद) और युज़वेंद्र चहल (17 रन पर चार विकेट) की बदौलत वेस्ट इंडीज को तीसरे एकदिवसीय मैच में 119 रन से हराकर श्रंखला 3-0 से अपने नाम की।

यह कैरिबियन में रनों के मामले में भारत की वेस्ट इंडीज पर सबसे बड़ी जीत है। भारत ने वर्षाबाधित मैच में 36 ओवर में 225 रन बनाये थे, जिसके बाद डकवर्थ लुइस नियम के तहत विंडीज के सामने 35 ओवर में 257 रन का लक्ष्य था। वेस्ट इंडीज इसके जवाब में 137 रन पर ऑल आउट हो गयी। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी चुनी।

कप्तान शिखर धवन और शुभमन गिल ने श्रंखला में दूसरी बार शतकीय साझेदारी की। 113 रन की साझेदारी के बाद धवन 58(74) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके लगाये। इसके बाद क्रीज़ पर आये श्रेयस अय्यर ने गिल के साथ पारी को आगे बढ़ाना शुरू किया, लेकिन मैच के 25वें ओवर में बारिश हो गयी। जब मैच को पुनः शुरू किया गया तो भारतीय बल्लेबाजों ने रनों की रफ्तार भी बढ़ाई। दोनों के बीच 89 रन की साझेदारी हुई, जिसके बाद अय्यर 34 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 44 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके अलावा सूर्यकुमार यादव ने आठ रन और संजू सैमसन ने नाबाद छह रन बनाये। बारिश के कारण भारतीय पारी को 36 ओवर में 225 रन पर घोषित कर दिया गया, जहां गिल अपने पहले अंतरराष्ट्रीय शतक के इंतज़ार में 98 रन पर नाबाद रहे।

विंडीज की खराब शुरुआत

35 ओवर में 257 रन का पीछा करने उतरी विंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दीपक हुड्डा का पहला ओवर मेडेन जाने के बाद मोहम्मद सिराज ने दूसरे ओवर में दो विकेट चटके। सिराज ने काइल मेयर्स को और शमार ब्रूक्स को शून्य रन पर चलता किया। एक रन पर दो विकेट गिरने के बाद विकेटकीपर शाई होप और ब्रेंडन किंग ने पारी को संभालते हुए 46 रन की साझेदारी के साथ विंडीज को मैच में बरकरार रखा। होप (22) के आउट होने के बाद वेस्ट इंडीज नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। कैरिबियाई टीम के लिये कप्तान निकोलस पूरन ने सर्वाधिक 42 (32) रन बनाये। इसके अलावा किंग ने भी 37 गेंदों पर 42 रन की पारी खेली, जबकि कोई और कैरिबियाई बल्लेबाज़ 10 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सका।

चहल ने झटके चार विकेट

चहल गेंद से भारत के नायक रहे। उन्होंने चार ओवर में 17 रन देकर चार विकेट लिये, जिसमें पिछले मैच के शतकवीर होप का विकेट भी शामिल है। इसके अलावा सिराज और शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। अक्षर पटेल और प्रसिद्ध कृष्णा को एक-एक विकेट हासिल हुआ। एकदिवसीय श्रंखला को क्लीन स्वीप करने के बाद भारत अब टी20 श्रंखला की ओर रुख करेगा। पांच मैचों की श्रंखला का पहला मुकाबला त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में 29 जुलाई को खेला जाएगा।

मोईन व बेयरस्टो के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

इंग्लैंड ने बनाया अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा बड़ा स्कोर

ब्रिस्टल । इंग्लैंड ने जॉनी बेयरस्टो (90 रन) और मोईन अली (52 रन) की धुंआधार बल्लेबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को पहले टी20 मैच में 41 रन से मात दी। इंग्लैंड ने बुधवार को खेले गये मैच में टॉस हारने के बावजूद पहले बल्लेबाजी करते 20 ओवर में 234 रन बनाये, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका 193 रन ही बना सकी। यह इंग्लैंड का अंतरराष्ट्रीय टी20 में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जिसका श्रेय बेयरस्टो और मोईन को जाता है। इंग्लिश टीम 13 ओवर में 120 रन पर थी, जब दोनों ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। इंग्लैंड ने मोईन-बेयरस्टो की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत अगले सात ओवर में 114 रन बनाये। मोईन ने 18 गेंदों में दो चौके और छह गगनचुंबी छक्के लगाकर 52 रन बनाये। इंग्लैंड के लिये टी20 में सबसे तेज़ अर्द्धशतक (16 गेंदें) लगाने का रिकॉर्ड भी अब उनके नाम है। दूसरी ओर बेयरस्टो को मैच में तीन योगदान मिले, जिसका भरपूर फायदा उठाते हुए उन्होंने 53 गेंदों पर तीन चौके और आठ छक्के लगाकर 90 रन बनाये। इसके अलावा डेविड मलान ने 43(23) रन की पारी खेली। 235 रन का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका के लिये अलंघ्य पहाड़ की तरह था। विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक (दो रन) और राइली रूसो (चार रन) न्यून योगदान देकर दूसरे ओवर में ही पवेलियन लौट गये। अपना तीसरा टी20 खेल रहे युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने 28 गेंदों पर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में दो चौके और आठ छक्के जड़े।

हेंड्रिक्स का अर्धशतक बेकार

इसके अलावा सलामी बल्लेबाज रजा हेंड्रिक्स ने भी 33 गेंदों पर नौ चौकों और एक छक्के की बदौलत 57 रन बनाये, मगर यह प्रोटियाज को जीत दिलाने के लिये काफी नहीं था। दक्षिण अफ्रीका अपने 20 ओवर में सिर्फ 193 रन ही बना सकी और इंग्लैंड ने पहले मैच में 41 रन की जीत हासिल की। इंग्लैंड की ओर से रिचर्ड ग्लीसन ने तीन विकेट लिये, जबकि रीस टोप्ली और आदिल रशीद को दो-दो विकेट हासिल हुए। मोईन अली ने एक विकेट प्राप्त किया। मोईन को उनके ऑल-राउंड प्रदर्शन के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। अब दोनों टीमें गुरुवार, 28 जुलाई को दूसरे टी20 के लिये एक दूसरे के सामने आयेंगी।

ब्रिस्बेन हीट में पूजा वस्त्रकार शामिल

महिला बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

ब्रिस्बेन। महिला बिग बैश लीग की फ्रेंचाइजी ब्रिस्बेन लीग ने भारतीय ऑल-राउंडर पूजा वस्त्रकार को टीम में शामिल करने की गुरुवार को घोषणा की। वस्त्रकार डब्ल्यूबीबीएल-8 से पहले न्यूजीलैंड की ऑल-राउंडर अमेलिया केर के बाद हीट में शामिल होने वाली दूसरी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। फ्रेंचाइजी ने कहा, 22 वर्षीय ऑल-राउंडर भारत के पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे और आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप के दौरान हीट की नज़रों में आ गयी थीं, जहां कोच एशले नॉफके उनके प्रदर्शन से प्रभावित हुई थीं। दाईं हाथ की तेज़ गेंदबाज़ निचले क्रम में आकर विस्फोटक बल्लेबाज़ी करने में भी माहिर हैं। वह स्मृति मंधाना और पूनम यादव के बाद ब्रिस्बेन के लिये खेलने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी होंगी। वस्त्रकार ने अब तक 23 एकदिवसीय, 27 टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच खेले हैं। वह इस समय कोरोना से उभर रही हैं जिसके बाद वह बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारतीय टीम का हिस्सा बनेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के 92 साल के इतिहास में पहली बार महिला क्रिकेट को शामिल किया गया है, जहां भारत सहित 12 टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक के लिये एक दूसरे का सामना करेंगी।

फ्रांस के मक्कॉन टी20 में लगातार दो शतक वाले पहले खिलाड़ी

पेरिस । फ्रांस के 18 वर्षीय सलामी बल्लेबाज गुस्ताव मक्कॉन दो दिन के भीतर दूसरी बार टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक्स में शामिल हुए, जब उन्होंने नॉर्वे के विरुद्ध 53 गेंदों पर 101 रन बनाए और इस तरह पुरुष टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार मैचों में शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मक्कॉन और फ्रांस की टीम फिनलैंड में 2024 टी20 विश्व कप के यूरोप क्षेत्र के क्वालिफाइंग मुकाबलों में भाग ले रही है और उन्होंने इससे पहले स्विट्जरलैंड के विरुद्ध शतक लगाकर पुरुष टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे युवा शतकवीर बनने का कीर्तिमान अपने नाम किया था।18 साल और 280 दिन के मक्कॉन ने अफगानिस्तान के हजरतउल्लाह जजई का रिकॉर्ड तोड़ा था, जो आयरलैंड के विरुद्ध सैंकड़ा जड़ते वक्त 20 साल और 337 दिन की उम्र के थे। मक्कॉन ने इसके साथ एक और कीर्तिमान स्थापित किया और वह है किसी भी पुरुष क्रिकेटर द्वारा पहली तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय पारियों के बाद सर्वाधिक रन। उनके खाते में अब 286 रन हैं और उन्होंने अजहर अंडानी का रिकॉर्ड तोड़ा है जिन्होंने पिछले साल पुर्तगाल के लिए खेलते हुए अपनी पहली तीन पारियों में 46, 100 और 81 के स्कोर के साथ 227 रन बनाए थे।

दो दिन के भीतर जड़ा दो शतक

देश परदेश

सुनक ने यौन अपराधियों के खात्मे का लिया संकल्प

■ कहा, मैं महिलाओं की अनुमति के बिना उनकी आपत्तिजनक तस्वीर लेकर उन्हें परेशान करने को दण्डनीय अपराध बनाऊंगा

ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री चुने जाने पर बच्चों तथा युवतियों को निशाना बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा उनका खात्मा करने के साथ-साथ उनके सरगनाओं को अधिकतम सजा दिलवाने का संकल्प लिया है।

'रेडी4ऋषि' अभियान दल ने बुधवार शाम बताया कि ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली सरकार में यौन अपराधों को अंजाम देने वाले गिरोहों (ग्रूमिंग गैंग्स) के सदस्यों के खिलाफ गिरोह का हिस्सा होने या उसके लिए काम करने को लेकर आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे। इसके तहत दोष साबित होने पर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान होगा। दल ने बताया कि यौन अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए पूर्व चांसलर सुनक तथाकथित 'डाउन-ब्लाउजिंग' (महिलाओं की अनुमति के बिना उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें लेना) पर प्रतिबंध लगाएंगे। सुनक ने कहा, 'महिलाओं तथा लड़कियों के खिलाफ यौन अपराधों का खात्मा होने तक इनसे राष्ट्रीय आपदा की तरह निपटा जाना चाहिए। दो बेटियों का पिता होने के नाते, मैं चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के शाम को बाहर जा सकें या रात में किसी भी दुकान पर जा सकें।' सुनक की दो बेटियां अनुष्का और कृष्णा हैं। सुनक ने कहा कि बतौर चांसलर उन्होंने पीड़िताओं की मदद के लिए कई कदम उठाए।

उन्होंने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री के तौर पर और कदम उठाऊंगा। मैं महिलाओं की अनुमति के बिना उनकी आपत्तिजनक तस्वीर लेकर उन्हें परेशान करने को दण्डनीय अपराध बनाऊंगा और यौन अपराधों को अंजाम देने वाले गिरोहों के खिलाफ एक बड़ा अभियान चलाया जाएगा। सुनक ने कहा, हम संवेदनशीलता को इतना हावी नहीं होने दे सकते कि वह उन खतरनाक अपराधियों को पकड़ने में बाधा बने, जो महिलाओं को निशाना बनाते हैं। मैं तब तक नहीं रुकूंगा जब तक कि हम ऐसा समाज नहीं बना लेते, जहां महिलाएं तथा लड़कियां रोजमर्रा की जिंदगी में सुरक्षित महसूस करें। उन्होंने ऐसे गिरोहों से जुड़ी खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और संदिग्धों पर नजर रखने में पुलिस की मदद करने के लिए एक रिकॉर्ड तैयार करने के वास्ते 'नेशनल ग्रूमिंग गैंग्स व्हिसलब्लोअर नेटवर्क' शुरू करने की भी योजना बनाई है।

रूस ने तेज किए यूक्रेन पर हमले

कीव और चेर्नीहीव में बड़े पैमाने पर दागीं मिसाइलें

रूसी सेना ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन के कीव और चेर्नीहीव क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मिसाइल से हमले किए। इन इलाकों को गत कई हफ्तों से निशाना नहीं बनाया गया था। वहीं, यूक्रेन के अधिकारियों ने रूस के कब्जे वाले देश के दक्षिण हिस्से को मुक्त कराने के लिए अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

कीव के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेक्सि कुलेबा ने टेलीग्राम ऐप के जरिये दिए बयान में कहा कि क्षेत्र के विशगोरोड जिले में बृहस्पतिवार तड़के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया। हालांकि, तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है कि क्या इन हमलों में कोई हताहत भी हुआ है या नहीं। विशगोरोड जिला, कीव से 20 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। कुलेबा के मुताबिक हमला राजकीय दिवस के अवसर पर किया गया जिसे यूक्रेन पहली बार बृहस्पतिवार को मना रहा है। कुलेबा ने यूक्रेनियाई टेलीविजन चैनल पर कहा, 'रूस, मिसाइल के जरिये जन विरोध का बदला ले रहा है।'

उन्होंने कहा, 'यूक्रेन पहले ही रूस के

मनसूबों को नाकाम कर चुका है और अपनी रक्षा करना जारी रखेगा।' चेर्नीहीव के गवर्नर व्याचेस्लाव चौस ने बताया कि पड़ोसी देश बेलारूस की सीमा से कई मिसाइल होंचारिव्स्का गांव पर दागी गई। गौरतलब है कि रूसी सेना कई महीने पहले इलाके पर कब्जा करने में नकाम रहने के बाद कीव और चेर्नीहीव से लौट चुकी थी। रूस की ओर से नए सिरे से हमले पूर्वी यूक्रेन के मॉस्को समर्थक नेता डेनिस पुशिलिन की अपील के बाद किये गये हैं। पुशिलिन ने सार्वजनिक रूप से रूसी सेना से अपील की थी कि वह रूसी लोगों द्वारा बसाए गए रूसी शहरों जैसे कीव, चेर्नीहीव, पोलत्वा, ओडेसा, निप्रोपेत्रोव्स्क, खारकीव, ज़ैपसोरिज़िया और लुत्स्क को मुक्त कराए।

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर भी बुधवार-बृहस्पतिवार की दरमियानी रात गोलाबारी की गई। यह जानकारी शहर के महापौर इहोर तेरेखोव ने दी। दक्षिण शहर मिकोलेव पर भी गोलाबारी की खबर है, जिसमें एक व्यक्ति घायल हुआ है। इस बीच, यूक्रेन की सेना का रूसी कब्जे वाले देश के दक्षिण हिस्से खेरसॉन में जवाबी कार्रवाई जारी है। यूक्रेनियाई सेना ने बुधवार को निपर नदी पर बने पुल को निशाना बनाया। यूक्रेन की मीडिया ने बृहस्पतिवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सि अरेस्टोविच को उद्धृत करते हुए कहा, 'खेरसॉन को मुक्त कराने के लिए अभियान पहले ही शुरू हो चुका है।' अरेस्टोविच ने कहा कि कीव की सेना रूसी सैनिकों को अलगथलग करने की योजना बना रही है ताकि उनके पास केवल तीन विकल्प बचे, पहलापीछे हटना, दूसरासंभव हो तो आत्मसमर्पण करनाऔर तीसरायुद्ध में मारा जाना।

नेपाल : चीनियों के कॉल सेंटरों पर छापेमारी

नेपाल पुलिस ने चीनी नागरिकों के अवैध कॉल सेंटरों के खिलाफ छापेमारी जारी रखी है। बुधवार रात काठमांडू के थमेल इलाके में एक कॉल सेंटर पर छापेमारी की गई, जिसके बाद चार चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया।

■ अवैध रूप से भारतीय नागरिकों को उच्च ब्याज दरों पर दे रहे थे ऋण

लोकप्रिय पर्यटन क्षेत्र थमेल में छापेमारी एक सप्ताह के भीतर की जाने वाली चौथी छापेमारी थी। पुलिस ने सोमवार को चीनी नागरिकों के कब्जे वाले दो कॉल सेंटरों पर छापेमारी की, जिसका मालिक भी एक भारतीय नागरिक था। रविवार को भी इसी तरह की छापेमारी नेपालभारत सीमा के पास बुटवल में की गई थी, जिसमें चीनी और भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने चीनी नागरिकों के पास से 26 लैपटॉप, 472 मोबाइल फोन, 190,000 रुपये के रिचार्ज कार्ड, 20 सिम कार्ड और अन्य उपकरण भी जब्त किए हैं।

चीनी नागरिक काठमांडू में एक कॉल सेंटर संचालित कर रहे थे और अवैध रूप से भारतीय नागरिकों को उच्च ब्याज दरों पर ऋण प्रदान कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक इस कॉल सेंटर से नेपालियों समेत हजारों भारतीय नागरिकों के साथ ठगी की गई है।

खतरे में तेलुगु इंडस्ट्री !

अगस्त से रोकी गई शूटिंग

प्रोड्यूसर्स गिल्ड के सदस्यों ने पत्र जारी करते हुए इस बात का एलान किया है कि एक अगस्त से शुरू होने वाली फिल्मों की शूटिंग अब नहीं होगी। सभी फिल्मों की शूटिंग तब तक शुरू नहीं होगी जब तक प्रोड्यूसर्स अपनी समस्याओं के समाधान खोज नहीं लेते हैं। बता दें कि आरआरआर, केजीएफ 2 और कुछ अन्य फिल्मों को छोड़कर पिछले कुछ हफ्तों में रिलीज हुई फिल्मों के खराब प्रदर्शन की वजह से एक्टिव तेलुगु प्रोड्यूसर्स गिल्ड काफी चिंतित हैं। इसलिए उन्होंने तेलुगू इंडस्ट्री को पुनर्गठित करने, फिल्म बजट, ओटीटी रिलीज और थिएट्रिकल रिलीज सहित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। जारी किए गए लेटरहेड में बदलते रेवेन्यू और कॉस्ट पर भी प्रकाश डाला गया है। नोट में कहा गया है कि इन बदलती परिस्थितियों को देखते हुए, निर्माताओं ने तब तक फिल्म की शूटिंग रोकने का फैसला किया है जब तक कोई समाधान नहीं मिल जाता। तेलुगू प्रोड्यूसर्स गिल्ड का कहना है, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने इकोसिस्टम को बेहतर बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि हम अपनी फिल्मों को स्वस्थ वातावरण में रिलीज करें। इस संबंध में, गिल्ड के सभी निर्माता सदस्यों ने स्वेच्छा से 1 अगस्त 2022 से शूटिंग पर रोक लगाने का फैसला किया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि कौन से प्रोडक्शन हाउस और फिल्में इस फैसले का पालन करेंगी, लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि महेश बाबू, जूनियर एनटीआर और प्रभास जैसे अभिनेताओं की आने वाली फिल्मों की शूटिंग में इस वजह से देरी हो सकती है। महामारी के बाद तेलुगू फिल्म उद्योग ने कई हिट फिल्में, जैसे- आरआरआर और पुष्पा- द राइज दी हैं, लेकिन निर्माता बदलते राजस्व मॉडल से सावधान हैं। एक फिल्म निर्माता ने पीटीआई से बातचीत के दौरान इस बात का खुलासा किया था कि आरआरआर, पुष्पा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों को छोड़कर, नाटकीय राजस्व 20 फीसदी के निचले स्तर तक जा गिरा है। यही वजह है कि हर कोई उद्योग की स्थिरता को लेकर चिंतित है।

एक्टिंग से पहले बॉक्सिंग में हाथ आजमा चुकी हैं कृतिसेनन

अभिनेत्री कृति सेनन बॉलीवुड की शानदार एक्ट्रेस में शुमार हैं। उन्होंने अपने दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। वह एक गैर-फिल्मी पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखती हैं, मगर इंडस्ट्री में वह जिस तरह अपना सिक्का जमाने में कामयाब रही हैं, वह एक्टिंग में आने के इच्छुक युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। दिलचस्प बात यह है कि इसके लिए उन्होंने कोई खास कोर्स नहीं किया, बल्कि बीटेक करने के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की राह बनाई। फिल्म हीरोपंती से लेकर बरेली की बर्फी, लुका छिपी, हाउसफुल 4 और मिमी तक कृति ने अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है। बता दें कि आज कृति अपना 32वां जन्मदिन मना रही हैं।

कृति का जन्म 27 जुलाई को 1990 को दिल्ली के पंजाबी परिवार में हुआ था। इनके पिता राहुल सेनन सी.ए हैं, वहीं इनकी मां गीता सेनन दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर हैं। कृति दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्रा रही हैं। कृति ने नोएडा के एक कॉलेज से बी.टेक किया हुआ है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साउथ सिनेमा की फिल्मों से की थी। कृति सेनन पहली बार पर्दे पर सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आई थीं। एक्ट्रेस बनने से पहले उन्होंने बतौर मॉडल काफी वक्त तक काम किया। इसके बाद उन्हें तेलुगु की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म नेनोक्काडाइन (2014) में काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में कृति सेनन की काफी तारीफ हुई, जिसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की ओर रुख करने का फैसला किया है। उनकी बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म हीरोपंती थी। यह फिल्म भी साल 2014 में आई थी। इस फिल्म में कृति टाइगर के साथ नजर आईं।

यूं तो कृति सेनन की खुद काफी बड़ी फैन फॉलोइंग है, लेकिन कृति सेनन खुद सलमान खान की सबसे बड़ी फैन हैं। वो सलमान की कोई भी फिल्म मिस नहीं करती हैं। मगर, कृति को अभी तक अपने फेवरेट स्टार के साथ काम करने का मौका नहीं मिल पाया है। अभिनेत्रियों में वह प्रियंका चोपड़ा की बड़ी फैन हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा था, प्रियंका बेखौफ हैं, जहां हैं, वहां सुरक्षित हैं वह आज वही कर रही हैं, जो वह हमेशा से चाहती रही हैं। कृति सेनन की बात करें तो अपनी स्कूल लाइफ में वो टॉमबॉय थीं। उन्हें बाइक चलाना काफी पसंद है। कृति के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं कि वह एक ट्रेन्ड कथक डांसर हैं। कृति एक स्टेट लेवल की बॉक्सर भी रह चुकी हैं। इसके अलावा कृति को राइटिंग का भी बेहद शौक है। 2019 के एक इंटरव्यू उन्होंने खुद यह कहा था। काम की बात करें तो कृति सेनन जल्द ही फिल्म आदिपुरुष में नजर आएंगी। इसमें वह सीता का रोल निभाती दिखेंगी।

श्रेयस तलपड़े बनेंगे अटल बिहारी वाजपेयी

कंगना रनौत की फिल्म **Emergency** में एक्टर श्रेयस तलपड़े पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाते नजर आएंगे। इससे पहले फिल्म पुष्पा में अल्लू अर्जुन की आवाज हिंदी में डब करके श्रेसय तलपड़े ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। फिल्म में कंगना रनौत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रोल प्ले कर रही हैं जबकि अनुपम खेर जयप्रकाश नारायण का किरदार निभाएंगे। कंगना रनौत इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस तो हैं ही, साथ ही वह इस फिल्म का निर्देशन भी कर रही हैं। श्रेयस तलपड़े ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट करके फैंस को अपने इस फिल्म का हिस्सा होने के बारे में बताया। श्रेयस तलपड़े ने फिल्म से अपना पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, सबके चहेते, दूरदर्शी, सच्चे देशभक्त और जनता के प्यारे शख्स भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का किरदार निभाने के लिए खुद को गौरवान्वित और बहुत खुश महसूस कर रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं उम्मीदों पर खरा उतरूंगा। श्रेयस तलपड़े के फिल्म का हिस्सा बनने के बारे में कंगना रनौत ने कहा, वह अटल बिहारी वाजपेयी का रोल प्ले कर रहे हैं जो तब युवा और अपकमिंग लीडर थे जब इंदिरा गांधी पहली बार प्रधानमंत्री बनीं। वह इमरजेंसी के हीरोज में से एक थे। क्योंकि वह (श्रेयस) बहुत वर्सेटाइल एक्टर हैं इसलिए हम खुशकिस्मत हैं कि वह हमारी टीम का हिस्सा बने हैं। कंगना रनौत ने श्रेयस तलपड़े के बारे में कहा कि वह निजी तौर पर महसूस करती हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी के तौर पर उनका काम सबसे यादगार होगा। हम बहुत लकी हैं कि इतने महत्वपूर्ण रोल के लिए उन जैसा पावरफुल कलाकार हमारे साथ जुड़ा है। बता दें कि फिल्म **Emergency** अनाउंसमेंट के बाद से ही लगातार सुर्खियों में बनी हुई है।

> "श्रेयस तलपड़े ने फिल्म से अपना पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, सबके चहेते, दूरदर्शी, सच्चे देशभक्त और जनता के प्यारे शख्स भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का किरदार निभाने के लिए खुद को गौरवान्वित और बहुत खुश महसूस कर रहा हूं।"

तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं

सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस में नजर आएंगी। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के जरिए उनके भाई कुश सिन्हा निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया गया है। सोनाक्षी सिन्हा के साथ फिल्म में परेश रावल, सुहेल नय्यर भी नजर आएंगे। अपने भाई के निर्देशन में बन रही इस पहली फिल्म में सोनाक्षी मुख्य किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया गया है। इसमें सोनाक्षी काफी अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। साझा किए गए पोस्टर में उनका साइड फेस नजर आ रहा है। बता दें कि फिल्म निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस को निकी भगनानी, विकी भगनानी और अंकुर टकरानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म एनवीबी के बैनर तले बन रही है।

साझा किया पोस्ट

बता दें कि सोनाक्षी ने खुद सोशल मीडिया पर फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेसजल्द आएगी। सोनाक्षी ने आगे लिखा, इस फिल्म के जरिए कुश सिन्हा डायरेक्शन डेब्यू कर रहे हैं और मैं दिग्गज एक्टर परेश रावल सर और सुहेल नय्यर के साथ सक्रीन साझा करूंगी। सोनाक्षी की इस फिल्म पर फैंस उनको खूब बधाई दे रहे हैं। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा आखिरी बार बड़े पर्दे पर वर्ष 2019 में फिल्म दबंग 3 में सलमान खान के साथ नजर आई थीं। हालांकि, वह ओटीटी पर फिल्म भुज- द प्राइड ऑफ इंडिया (2021) में नजर आ चुकी हैं, लेकिन बड़े पर्दे पर वह पूरे तीन साल बाद वापिसी कर रही हैं। ऐसे में फैंस सोनाक्षी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

एक्टिंग के मामले में सूर्या को टक्कर देती हैं उनकी पत्नी

हाल ही में बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम करने वाले अभिनेता सूर्या लगातार चर्चाओं में हैं। अपने अभिनय के अलावा अपने लुक्स से लोगों को दीवाना बनाने वाले अभिनेता सूर्या आज साउथ ही नहीं बल्कि पूरे देश में लोकप्रिय हो चुके हैं। यही वजह है कि अब लोग उनके प्रोफेशनल और निजी जीवन में काफी दिलचस्पी दिखाने लगे हैं। अभिनेता की प्रोफेशनल लाइफ के बारे में तो आपने काफी कुछ सुना होगा, लेकिन आज इस रिपोर्ट में हम आपको उनके निजी जीवन में अहम किरदार निभाने वाली उनकी पत्नी ज्योतिका के बारे में बताएंगे। साउथ के हाईएस्ट पेड अभिनेताओं में से एक सूर्या ने हाल ही में बेस्ट एक्टर का अवार्ड जीता. अपनी इस सफलता का श्रेय उन्हें अपनी पत्नी को दिया। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अभिनेता की पत्नी ज्योतिका कौन हैं? बहुत कम लोग ही यह जानते हैं कि अभिनेता की पत्नी ज्योतिका भी पेशे से एक अभिनेत्री हैं। यही नहीं सूर्या की तरह वह साउथ इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान रखती हैं। इतना ही नहीं अभिनय के मामले में ज्योतिका किसी भी मायने में अपने पति सूर्या से कम नहीं हैं। जी हां, ज्योतिका भी एक नेशनल अवॉर्ड विनर है। दरअसल जिस फिल्म सोरारई पोटरु के लिए सूर्या को बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है, उसी फिल्म को प्रोड्यूस करने के लिए ज्योतिका ने भी राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल किया है। प्रोफेशनल लाइफ के बाद अब जानते हैं सूर्य और ज्योतिका की लव स्टोरी के बारे में जो किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। दरअसल, ज्योतिका और सूर्या की मुलाकात पहली बार एक फिल्म के सेट पर हुई थी। सूर्या ने 22 साल की उम्र में फिल्म नेरुक्कू नेर से डेब्यू किया था। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। इसके बाद 1999 में सूर्या की फिल्म पूवेल्लम केत्तुप्पर के सेट पर पहली बार ज्योतिका से मुलाकात हुई। बता दें कि ज्योतिका मुंबई के पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जबकि सूर्या तमिल हैं। तमिल ना आने की वजह से ज्योतिका को साउथ इंडस्ट्री में पैर जमाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी। ऐसे में ज्योतिका का काम के प्रति समर्पण देख सूर्या इससे काफी इंप्रेस हुए थे। इसके बाद 2001 में दोनों की फिर मुलाकात हुई और उनकी आपस में बातचीत शुरू हुई। इसके बाद दोनों दोस्त बने और धीरे-धीरे दोनों की यह दोस्ती प्यार में बदल गई। सूर्या और ज्योतिका ने 11 सितंबर 2006 में एक दूसरे के साथ शादी रचाई। रियल लाइफ की इस जोड़ी ने सात फिल्मों में एक साथ काम किया।

प्रेग्नेंसी के बाद करियर खत्म होने के सवाल पर भड़की आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डार्लिंग्स को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए आलिया फिल्म प्रोडक्शन की दुनिया में कदम रख रही हैं। यह उनके प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और फैंस को बेहद पसंद आया है। अब सभी की निगाहें इसकी रिलीज पर टिकी हैं। एक तरफ आलिया के फैंस उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं तो वहीं दूसरी ओर कुछ लोग उनसे लगातार पूछ रहे हैं कि प्रेग्नेंसी के बाद क्या वह फिल्में करना छोड़ देंगी? डार्लिंग्स के प्रमोशन के दौरान आलिया ने इस बात का करारा जवाब दिया है।

हालिया बातचीत में आलिया ने कहा, कोई महिला चाहे कुछ भी करती है, वह हेडलाइन बन जाती है। चाहें फिर वह उसके मां बनने का फैसला हो, किसी को डेट कर रही हो, क्रिकेट मैच के लिए जा रही हो या फिर हॉलिडे पर। लोगों की नजर हमेशा महिलाओं की पसंद पर रहती हैं। आलिया ने अपनी बातचीत में यह भी कहा, बेशक, मैं युवा हूं, कुछ भी बदलने की जरूरत क्यों है? एक परिवार या बच्चे के होने से मेरी प्रफेशनल लाइफ क्यों बदल जाएगी? ये दोनों बिल्कुल अलग चीजें हैं। मैं इन बेतुकी बातों पर ध्यान नहीं देती और अपने काम में आगे बढ़ती रहूंगी। आलिया ने कहा कि लोगों की बातों और विचारों से वह परेशान नहीं होतीं, वह वही करती हैं जो उनका दिल कहता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए, ऐसे विचार रखने वाले लोग ये बताते हैं कि वे जीवन में कहां हैं। यह नहीं कि मैं कहां हूं। वास्तव में, मैंने अपने जीवन में बहुत सारे फैसले लिए हैं, जो किसी के बारे में किसी रिश्ते से जुड़े नहीं और ये तब हुआ जब इसकी बहुत कम उम्मीद थी। आप बड़ी चीजों के लिए कोई प्लान नहीं बनाते हैं। वैसे, देखा जाए तो डार्लिंग्स के जरिए आलिया बतौर प्रोड्यूसर अपनी एक नई पारी शुरू कर रही हैं। इसे लेकर वह बेहद उत्सुक हैं तो थोड़ी नर्वस भी हैं। फिल्म प्रमोशन के दौरान उन्होंने खुद यह बात कही है। आलिया ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। एक्ट्रेस ने इसकी वजह भी बताई है। उन्होंने कहा, पहली बात तो फिल्म डार्लिंग्स अपने आप में खास है, दूसरा यह मेरे प्रोडक्शन इटरनल सनशाइन की है। इन दो वजहों से फिल्म हमेशा मेरे लिए बेहद खास रहेगी। बता दें कि डार्लिंग्स एक डार्क कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म की कहानी एक ऐसी पत्नी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो घरेलू हिंसा का शिकार होती है फिर अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का बदला अपने पति से लेती है। वह पति का अपहरण कराती है। इस काम में उसकी मां मदद करती है। बता दें कि फिल्म में शेफाली शाह ने आलिया भट्ट की मां का किरदार अदा किया है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि मां-बेटी के रूप में सक्रीन पर दोनों की के मिस्ट्री गजब की

भवन उद्योग पर डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रभाव

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

डिजिटल तकनीक निर्माण उद्योग का भविष्य है। यह कंपनियों को अपने सिस्टम को गति से अनुकूलित करने के लिए लचीलापन दे सकता है। जब नियम बदलते हैं, उनके संचालन में जोखिम को कम करते हैं और गुणवत्ता और अनुपालन को रोजमर्रा की गतिविधि का एक प्राकृतिक परिणाम बनाते हैं।

आज अधिक से अधिक कार्यालय बेहतर दक्षता के साथ कार्य प्रवाह की अपनी दैनिक आवश्यकताओं के प्रबंधन, संचालन के लिए डिजिटल प्रथाओं को अपना रहे हैं। फायदे ने संचालन में पारदर्शिता को बढ़ा दिया है, उत्पादकता में सुधार और उपभोक्ता प्रतिक्रिया में वृध्दि हुई है।

डिजिटल उपकरण कैसे मदद कर सकते हैं?

गुणवत्ता लक्ष्यों तक पहुँचने पर सभी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रौद्योगिकी योजना, लोगों और प्रक्रियाओं को एक साथ लाने में मदद कर सकती है।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से भागीदारों के साथ अधिक आसानी से सहयोग करने की क्षमता आपके व्यवसाय को एक मूल्यवान प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दे सकती है।

आपूर्तिकर्ताओं को शामिल करने के लिए अपनी निर्माण गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का विस्तार करने से आप इस बात का पूरा निरीक्षण कर सकते हैं कि उनका प्रदर्शन आपके व्यवसाय को कैसे प्रभावित करता है।

यदि आपकी अनुपालन प्रबंधन प्रणालियां डिस्कनेक्ट और मैनुअल हैं, तो आपके व्यवसाय के सभी हिस्सों को नए नियमों के साथ जितनी जल्दी हो सके संरेखित करना मुश्किल हो सकता है।

एक केंद्रीकृत, ऑनलाइन प्रणाली इसे आसान बनाती है।

आने वाले समय में भवन उद्योग में डिजिटलीकरण का उपयोग एक परिवर्तन लाएगा, जिससे निर्माण में तेजी, समय पर वितरण और संसाधनों का कुशल उपयोग सुनिश्चित होगा। दीर्घकालिक लाभ बहुत हैं। भवन उद्योग सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र के रूप में उभरने जा रहा है जो आर्किटेक्ट्स और परियोजना प्रबंधकों के लिए करियर के अवसर प्रदान करेगा।

डॉ कृष्णा चौहान द्वारा मुम्बई में हुआ "राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022" का सफल आयोजन

- अभिजीत राणे, डॉ सुनील बालीराम गायकवाड़, एसीपी बाजीराव महाजन
- डॉ परीन सोमानी, आरती नागपाल, एक्शन डायरेक्टर टीनू वर्मा, अनिल नागरथ, डिजाइनर डॉ भारती छाबड़िया, दिलीप सेन, सुजाता मेहता, कॉमेडियन वीआईपी और एहसान कुरैशी सहित कई हस्तियां रहीं उपस्थित

मुम्बई अवार्ड समारोह के शो मैन का खिताब पाने वाले डॉ कृष्णा चौहान ने आज 20 जुलाई 2022 को भव्य रूप से "राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022" का आयोजन मुम्बई के मेयर हॉल में किया। केसीएफ प्रस्तुत इस पुरस्कार समारोह में उन लोगों को नवाजा गया जिन्होंने समाज सेवा और मानव सेवा का उल्लेखनीय कार्य किया है। डॉ कृष्णा चौहान द्वारा आयोजित अवार्ड समारोह में अभिजीत राणे, डॉ सुनील बालीराम गायकवाड़, एसीपी बाजीराव महाजन,डॉ परीन सोमानी, आरती नागपाल, एक्शन डायरेक्टर और एक्टर टीनू वर्मा, अनिल नागरथ, डिज़ाइनर डॉ भारती छाबड़िया, दिलीप सेन, सुजाता मेहता, कॉमेडियन वीआईपी और एहसान कुरैशी सहित कई हस्तियां मौजूद रहीं। सिमरन आहूजा ने शानदार एंकरिंग की। दीप प्रज्वलित करने के बाद प्रोग्राम की शुरुआत हुई।इस अवसर पर अभिजीत राणे ने कहा कि डॉ कृष्णा चौहान को हम सब मोटिवेट करने आए हैं। पिछले 4 साल से वह लोगों को सम्मान दे रहे हैं। वह निर्माता निर्देशक भी हैं उनके नए प्रोजेक्ट्स के लिए बहुत बहुत बधाई। डॉ सुनील बालीराम गायकवाड़ ने कहा कि मैं डॉ कृष्णा चौहान को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने हमें इस बेहतरीन कार्यक्रम में बुलाया। वह 20 साल से इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। कोविड काल के दौरान उन्होंने न सिर्फ जरूरतमंदों को राशन किट बांटा बल्कि सबसे बड़ी बात यह रही कि उन्होंने भगवतगीता भी लोगों को दिया।आयुर्वेदाचार्य प्रकाशजी टाटा, जो मध्यप्रदेश के थे, उन्होंने डॉ कृष्णा चौहान को धन्यवाद कहा कि इन्होंने राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022 का सफल आयोजन किया।युवा बिज़नसमैन योगेश ने भी डॉ कृष्णा चौहान का शुक्रिया अदा किया। शीरीं फरीद ने अपना डांस पेश किया जो सभी को पसन्द आया।राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022 से जिन हस्तियों को सम्मानित किया गया उनमेंडॉ सुनील साठे, आयुर्वेदाचार्य डॉ प्रकाश टाटा जी, डॉ सुनील बालीराम गायकवाड़, दिव्यांशु चौधरी, राजकुमार शर्मा, अजय मिश्रा, रूपा बावेश दोषी, ऋषभ पवार, सागर विश्वडिया, दीनदयाल मुरारका का नाम उल्लेखनीय है। इन्हें अवार्ड देने के बाद बेहतरीन डांसर सिया द्वारा डांस परफॉर्मेंस पेश किया गया जिनके नृत्य को सभी ने सराहा और तालियां मिलीं।सिया को यहां अवार्ड भी मिला, शीरीं फरीद को भी सम्मान से नवाजा गया। सुंदरी ठाकुर, डॉ भारती छाबड़िया, सोशल वर्कर आराधना सोलंकी को भी राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022 से नवाजा गया।इस अवसर पर आराधना सोलंकी ने डॉ परीन सोमानी व दिलीप सेन का विशेष सम्मान किया।एक्टर श्यामलाल जी (भय्या जी स्माइल फेम), सोमस क्रिएशन, योगेश भान, नाफ़े खान, सुजाता मेहता, एसीपी बाजीराव महाजन, पुनीत वोरा, असमा कपाड़िया सोशल एक्टिविस्ट, डॉ अर्चना देशमुख को भी सम्मानित किया गया। डॉ एसके टांक की ट्रॉफी राजू टांक ने ग्रहण की। पंकज भट्ट, राजकुमार शर्मा, प्रभु मंगलदास, टीनू वर्मा, आरती नागपाल, अनिल नागरथ, ऋषभ पवार, कॉमेडियन वीआईपी, एहसान कुरैशी, गीतकार व सोशल वर्कर ज़ीनत एहसान कुरैशी, एक्ट्रेस मानवी त्रिपाठी और जय कुमार को भी राष्ट्रीय रत्न सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान ने कई पत्रकारों, फोटोग्राफर को भी सम्मान से नवाजा।गौरतलब बात है कि डॉ कृष्णा चौहान 2 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी रत्न अवार्ड का आयोजन भी करने जा रहे हैं, जो दूसरे साल होने जा रहा है।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान अपनी नेक्स्ट हॉरर थ्रिलर फिल्म आत्मा डॉट कॉम की शूटिंग भी जल्द शुरू करने जा रहे हैं।उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान न सिर्फ एक सफल बॉलीवुड डायरेक्टर हैं, एक्टिव सोशल वर्कर हैं बल्कि अवाइर्स फंक्शन्स करवाने के मामले में अव्वल नम्बर पर माने जाते हैं। उनका एक अवार्ड फंक्शन सम्पन्न होता है और वह अपने नेक्स्ट पुरुस्कार समारोह की तैयारियों में लग जाते हैं।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान का हिंदी अल्बम "ज़िक्र तेरा" हाल ही में रिलीज हुआ है और उनकी हिंदी फिल्म "आत्मा डॉट कॉम" नेक्स्ट माह फ्लोर पर जाने वाली है, इसके संगीतकार दिलीप सेन हैं।

टायगर ग्रुप द्वारा कोलाबा में आयोजित पाद्यपूजन समारोह में शामिल हुये दिलशाद एस. खान

मुंबई। कुलाब्याचा युवराज पाद्यपूजन समारोह के अवसर पर दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान को 24 जुलाई, रविवार को आमंत्रित किया गया था, इस अवसर पर दिलशाद एस. खान ने पहुंच कर आमंत्रित किये जाने पर सभी का धान्यवाद किया, साथ ही सभी का हौसला बढ़ाया। दिलशाद एस. खान के पहुंचने पर टायगर ग्रुप के सभी लोगों ने खुले दिल से दिलशाद एस. खान का स्वागत किया, साथ ही कहा कि हम सभी को बहुत ही ज्यादा खुशी हो रही है कि हमारे द्वारा बुलाये जाने पर दिलशाद एस. खान जी अपने व्यस्त समय में से वक्त निकाल कर आज हमारे मंडल में आयें हैं। इस समारोह में दिलशाद एस. खान भाईचारे की एकता का प्रतीक बने। साथ ही दिलशाद खान ने कहा कि आज चंद नेताओं की वजह से हम सब को बांटा जा रहा है, लेकिन हम सभी का कर्तव्य है कि उनके बहकावे में न आकर, हम सबको हमारे देश में एकता बना कर रखनी चाहिए। दिलशाद खान ने कहा कि हमारा देश हिंदुओं और मुसलमानों के बीच 'एकता का प्रतीक' रहा है जो हिंदू-मुस्लिम मित्रता के अंतसंबंध से स्पष्ट होता है। इस अवसर पर टायगर ग्रुप के कुलाबा प्रमुख रवि भाउ (अध्यक्ष), कुलाब्याचा युवराज अध्यक्ष नितेश बंदरे, जयेश आव्हाड, जतिन सोनावणे व निनाद चव्हाण आदि लोग उपस्थित थे, साथ ही इस समारोह में दिलशाद एस. खान के साथ शाहबाज खान व सुहेल खान भी पहुंचे।

अपने पत्रकारिता कॅरियर की शुरुवात महज 16 साल की उम्र से करने वाले,देश के सबसे बड़े न्यूज़ नेटवर्क इंडिया के मुम्बई महाराष्ट्र और गोवा ब्यूरो हेड--जयप्रकाश सिंह आज स्टार रिपोर्ट के दफ्तर आये । टीवी पत्रकारिता जगत में 3 दशक से कार्यरत जयप्रकाश सदैव एक तटस्थ और पारदर्शी पत्रकार रहे और 25 से ज्यादा बम धमाकों,15 से ज्यादा चुनाव की लाइव कवरेज कर चुके है । 26/11 की फस्ट ग्राउंड जीरो ब्रेकिंग भी जेपी ने ही किया था । खुद को खबरों से समाज और देश से जोड़कर रखने वाले जेपी प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों विधाओं में काम कर चुके है , ऐसे जागरूक और वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश सिंह को उनके अनुठे योगदान का सम्मान करते हुए भारत देश के 75 वे अमृत महोत्सव के उपलक्ष में स्टार रिपोर्ट के प्रधान संपादक हार्दिक हुंडिया जी द्वारा स्टार अमृत सम्मान से सम्मानित किया गया ।

गणेश उत्सव से पहले भरेंगे शहर की सड़कों के गड्ढे : महानगरपालिका कमिश्नर

ठाणे : अगले महीने प्रथम पूजनीय भगवान गणेश का आगमन हो रहा है। इस साल त्योहार पर लगे प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। जिसे लेकर गणेश भक्तों (Dev में खुशी नजर आ रही है। गणेश उत्सव के दौरान किसी भी प्रकार के बाधाओं का सामना गणेश भक्तों को न करना पड़े इसके लिए प्रशासन मुस्तैद है। उक्त मत महानगरपालिका कमिश्नर डॉ. विपिन शर्मा ने व्यक्त करते हुए विश्वास जताया है कि प्रशासन की तरफ से सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी और इस बार गणेश उत्सव के दौरान सड़कें गड्ढा मुक्त होंगी।गणेशोत्सव को पर्यावरण तरीके से मनाने की अपीलमहानगरपालिका मुख्यालय में गणेशोत्सव मंडल, पुलिस प्रशासन और महानगरपालिका प्रशासन के बीच बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कमिश्नर शर्मा इस वर्ष भी गणेशोत्सव को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से मनाने की अपील की है। कमिश्नर ने गणेश मंडलों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले सप्ताह कुछ निर्देश दिए थे। जिसका पालन महानगरपालिका प्रशासन की तरफ से किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार मंडलों को नि:शुल्क अनुमति दी जाएगी। कमिश्नर ने मंडलों से गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने का आवाहन करते हुए आश्वस्त किया कि विसर्जन रोड, सड़कों पर गड्ढों, ओवरहेड तारों पर ध्यान देने, जिन स्थानों पर पेड़ की शाखाएं गणेश विसर्जन मार्ग में बाधा डाल रही हैं, वहां की शाखाओं को काटने का काम किया जाएगा। उन्होंने गणेशोत्सव मंडलों से कोर्ट के फैसले के अनुसार नियमों का पालन करने की भी अपील की।

दूनिया की पहली वर्चुअल प्रोडक्शन के तहत बनी फिल्म

जुदा होके भी

संवाददाता। मुंबई महेश भट्ट, विक्रम भट्ट और के सेरा सेरा के चेयरमैन सतीश पंचारिया ने पूरी तरह से वर्चुअल प्रोडक्शन में बनी दुनिया की पहली फ़िल्म "जुदा होके भी" की सफलता का जश्न मुम्बई में मनाया। इस अवसर पर वर्चुअल वर्ल्ड द्वारा बनाई जा रही दो और फिल्मों का भी एलान किया गया। उनमें से एक फ़िल्म "खिलौने" होगी जो हिंदी के साथ अंग्रेजी में भी बनाई जा रही है जिसे विक्रम भट्ट निर्देशित करने जा रहे हैं। वहीं 1920 की फ्रेंचाइजी 1920 हॉरर ऑफ द हार्ट" की घोषणा भी की गई जिसे विक्रम भट्ट की पुत्री कृष्णा भट्ट निर्देशन करेंगी। इस अवसर पर विक्रम भट्ट ने देश के पहले और सबसे बड़े वरचुअल प्रोडक्शन स्टूडियो के बारे में भी बात की जिसे उन्होंने सतीश पंचारिया के साथ मिलकर खोला है।के सेरा सेरा व विक्रम भट्ट ने मुंबई के दहिसर में 50,000 स्क्वायर फुट में फैला भारत का पहला वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो खोला है।

मनपा खेल विभाग द्वारा फुटबाल कप का आयोजन

संवाददाता। भाईंदर

मीरा भायंदर मनपा खेल विभाग द्वारा आयोजित 61वां अंतर्राष्ट्रीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप (सबजुनियर/जूनियर)26 जुलाई से 28 जुलाई नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान भायंदर (पश्चिम) मे खेला जा रहा है। इस प्रतियोगिता में मनपा के स्कूलों,निजी स्कूलों और महाविद्यालय के छात्रों जैसे कुल मिलाकर 35 स्कूलों ने भाग लिया है। उक्त प्रतियोगिता में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों तथा 17 वर्ष से कम आयु के बालक-बालिकाओं ने भाग लिया। शहर की महापौर ज्योत्सना हस्नाले,मनपा आयुक्त दिलीप ढोले, उपायुक्त मास्ति गायकवाड़, उपायुक्त रवि पवार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आरपीएफ ने "नन्हे फरिश्ते" आपरेशन के तहत 487 बच्चो को बचाए

2022 मे पश्चिम रेलवे आरपीएफ द्वारा अब तक इस आपरेशन के तहत 313 लडके और 174 लड़कियां बचायी गयी

गणेश पाण्डेय। मुंबई बच्चों की सुरक्षा के लिए एक बड़े कदम के रूप में पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस वर्ष जनवरी, 2022 से जुलाई, 2022 तक कुल सात महीनों में 487 बच्चों को बचाया और उन्हें उनके परिवार से मिलाया। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक प्रकाश बुटानी ने आरपीएफ की सराहना की और कहा कि आरपीएफ इन बच्चों की समस्याओं को समझकर और उनकी काउंसलिंग करते हुए उन्हें उनके परिवारों से मिलाने में मदद कर रही है और इस प्रकार पूरे दिल से अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा रही है। बुटानी ने आरपीएफ और फ्रंटलाइन कर्मचारियों की सराहना की,जो परामर्शदाताओं के रूप में अपनी सहज समझ और त्वरित कार्रवाई के साथ ऐसे महत्वपूर्ण मामलों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।आरपीएफ रेलवे में यात्रा करने वाले यात्रियों की सहायता करने में एक आवश्यक भूमिका निभा रहा है तथा यात्रियों को विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की देखभाल और सुरक्षा की जरूरत पड़ने पर मदद और बचाव भी प्रदान करता है। ऑपरेशन "नन्हे फरिश्ते" के अंतर्गत अपने घरों से भागे हुए 487 बच्चों को, जिसमें 313 लड़के और 174 लड़कियां थी, चाइल्डलाइन इंडिया फाउंडेशन, आदि जैसे गैर सरकारी संगठनों की मदद से उनके परिवारों के साथ फिर से मिलाया गया। इनमें से अधिकांश छोटे बच्चों ने पारिवारिक मुद्दों के कारण या बेहतर जीवन और ग्लैमर की तलाश में अपने परिवार के सदस्यों को बिना बताये घर छोड़ दिया था। ये बच्चे प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मियों द्वारा प्लेटफॉर्म पर या स्टेशन परिसर में या कभी-कभी ट्रेनों में घूमते पाए गए। जब बच्चों को उनके परिवार से मिलाया गया तो उनके माता-पिता और अभिभावकों ने इस नेक काम के लिए रेलवे के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। पिछले सात महीनों में मुंबई मंडल से 181, वडोदरा मंडल से 63, अहमदाबाद मंडल से 80, रतलाम मंडल से 102, राजकोट मंडल से 52 और भावनगर मंडल से 09 बच्चों को बचाया गया. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने जीआरपी और अन्य फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों के समन्वय से लगभग 600 बच्चों को बचाया था।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।